राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 23 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-214 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

(दूसरा दिन) ब्रह्मचारिणी

दधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डल।
देवी प्रसीदतु कयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

माँ दुर्गा की नव शक्तियें का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहाँ 'ब्रह्म' शब्द का अर्थ तपस्या है। ब्रह्मचारिणी अर्थात तपकी चारिणी-तप का आचरण करने वाली कहा भी है- वेदस्यतत्त्वंतपो ब्रह्म-वेद, तत्त्व और तप 'ब्रह्म' शब्द के अर्थ हैं। ब्रह्मचारिणी देवी का स्वरूप पूर्ण ज्योतिर्मय एवं अत्यन्त भव्य है। इनके दाहिने हाथ में जप की माला एवं बायें हाथ में कमण्डल रहता है।

पन्नू की नई धमकी: दिवाली नहीं बंदी छोड़ दिवस मनाएं और 19 अक्टूबर तक प्रवासी पंजाब छोड़ें

अमृतसर (एजेंसी)। प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस का प्रमुख सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू एक बार फिर विवादित और भड़काऊ बयानबाजी के साथ सामने आया है। पन्नू ने वीडियो जारी कर दिवाली से पहले प्रवासियों को पंजाब छोड़ने की धमकी दी है। उसने कहा है कि 19 अक्टूबर तक प्रवासी पंजाब छोड़ दें, अन्यथा उन्हें गंभीर नतीजों का सामना करना पड़ेगा। जारी वीडियो में पन्नू ने दावा किया कि बटाला रेलवे स्टेशन पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखवाए गए हैं। उसने स्टेशन के बोर्ड और बिजली के बॉक्स पर नारे लिखे जाने का हवाला देते हुए कहा कि यहां छापे भी पड़ेंगे। पन्नू ने अपने संदेश में अयोध्या की दिवाली का भी जिक्र किया और कहा कि जब वहां लाखों दीये जलाए जाएंगे तो वह अंधेरा करवाएगा। साथ ही उसने धमकी दी कि पंजाब में वही रहेगा जो दिवाली नहीं बल्कि बंदी छोड़ दिवस पर दीपमाला करेगा। पन्नू ने पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और सीएम भगवंत मान को चेतावनी दी। डीजीपी पर 'हिंदू आतंकवादियों' का साथ देने का आरोप लगाया और मान सरकार को 卐तिला-तिला卐 करने की बात कही। पन्नू ने अपने संदेश में प्रवासियों के साथ-साथ हिंदुत्व का मुद्दा भी उठाया और कहा कि जो लोग 'हिंदुत्व आतंक' फैलाने का काम कर रहे हैं, वे राज्य छोड़ दें। हालांकि, उसने यह साफ नहीं किया कि अल्टीमेटम न मानने वालों के खिलाफ वह किस तरह की कार्रवाई करेगा। इस नए वीडियो संदेश ने पंजाब की सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। डीजीपी और सीएम को सीधी धमकी देने के बाद माना जा रहा है कि पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां पन्नू के बयान को लेकर सतर्कता बढ़ा सकती हैं।

टैरिफ और एच-1बी वीजा फीस पर जो भी हो भारत को जरूर करना चाहिए

-संघ प्रमुख भागवत बोले- हमें अपनी राह खुद तय करनी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए टैरिफ और एच-1बी वीजा फीस पर कहा कि भारत को इससे बाहर निकलने के लिए जो भी जरूरी हो करना चाहिए, लेकिन हम आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने कहा कि भारत और अन्य देशों के सामने आज जो समस्याएं हैं, वे पिछले दो हजार सालों से अपनाई गई उस व्यवस्था का नतीजा हैं, जो विकास और सुख की खंडित दृष्टि पर आधारित है। इसलिए हमें अपनी राह खुद तय करनी होगी।

उन्होंने कहा कि हम इन हालात से निकलने का रास्ता ढूंढ लेंगे, लेकिन भविष्य में कभी न कभी हमें फिर ऐसे ही हालात का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि इस खंडित दृष्टि में हमेशा 'मैं और बाकी दुनिया' या 'हम और वे' की सोच रहती है। उन्होंने कहा कि भारत को भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए अपना रास्ता खुद बनाना होगा। भागवत ने यह बात रविवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कही।

आरएसएस प्रमुख ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि तीन साल पहले अमेरिका के एक प्रमुख व्यक्ति से मुलाकात हुई थी। उन्होंने सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और अर्थव्यवस्था समेत कई क्षेत्रों में भारत-अमेरिका साझेदारी और सहयोग की संभावनाओं पर बात की, लेकिन हर बार उन्होंने यही दोहराया कि बशर्ते अमेरिकी हितों की रक्षा हो।

पीएम मोदी ने हिमाचल को दी 5100 करोड़ की सौगात, अरुणाचल बनेगा पावर सेंटर

-बोले- कांग्रेस ने की क्षेत्र की अनदेखी, नॉर्थ ईस्ट के आठ राज्य हमारे लिए अष्टलक्ष्मी

ईटानगर (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को अरुणाचल प्रदेश पहुंचे जहां उन्होंने 5,125 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की सौगात दी। इनमें शि-योमी जिले में दो प्रमुख पनबिजली परियोजनाओं और तवांग में एक सम्मेलन केंद्र शामिल हैं। उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अब अरुणाचल देश का पावर सेंटर बनने वाला है। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं की शुरुआत की गई वे डबल इंजन सरकार के दोहरे लाभ का उदाहरण हैं।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि जिन इलाकों को वह पिछड़ा कहकर छोड़ देती थी, आज उनका ही विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नॉर्थ ईस्ट के आठ राज्य हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है। तवांग मठ से नामसाई पैगोडा तक अरुणाचल प्रदेश शांति और सद्भाव की भूमि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद 70 से ज्यादा पूर्वोत्तर का दौरा किया है, केंद्र में कांग्रेस सरकार के दौरान इस क्षेत्र की अनदेखी की गई।

पीएम मोदी ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश को पिछले 10 साल में केंद्र से एक लाख करोड़ रुपए दिए गए, जो कांग्रेस शासन के दौरान मिले धन से 16 गुना ज़्यादा हैं। मुझे पता था कि दिल्ली में बैठकर पूर्वोत्तर का विकास नहीं हो सकता, इसलिए मंत्रियों और अधिकारियों को इस क्षेत्र में भेजा। उन्होंने कहा कि जहां काम करना मुश्किल होता था, उन्हें कांग्रेस पिछड़ा कहकर भूल जाती थी। ऐसा करके कांग्रेस अपनी नाकामियों को छिपाती थी। यही कारण है कि यहां से लोगों ने पलायन किया। हमारी सरकार ने इस अप्रोच को बदल दिया, जिनको कांग्रेस पिछड़ा जिला कहती थी, हमने उन्हें ऐस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट बनाया और विकास को प्राथमिकता दी।

पीएम मोदी ने कहा कि सीमा के जिन गांवों को कांग्रेस लास्ट विलेज कहती थी, उन्हें हमने फर्स्ट विलेज माना। उन गांवों में विकास हो रहा है। बाइब्रेंट विलेज की सफलता ने लोगों का जीवन आसान बना दिया है। अरुणाचल प्रदेश के गांवों में भी बिजली और इंटरनेट की सुविधाएं पहुंच गई हैं। पहले सीमा से शहरों की ओर पलायन होता था लेकिन अब सीएम के गांव पर्यटन का नया केंद्र बन गए हैं। जैसे-जैसे नए इलाकों में कनेक्टिविटी बढ़ रही है, वैसे-वैसे यहां पर्यटन भी बढ़ रहा है। बीते दशक में यहां पर्यटकों की संख्या में दो गुनी वृद्धि हुई।

उन्होंने कहा कि दुनिया में कनसर्ट टूरिजम की बाढ़ आ रही है। तवांग में बनने जा रहा आधुनिक कन्वेंशन सेंटर अरुणाचल के पर्यटन में एक नया आयाम जोड़ेगा। इसे वाइब्रेंट विलेज अभियान से भी बहुत मदद मिलेगी। यह अभियान मील का पत्थर साबित हो रहा है। आज दिल्ली और ईटानगर दोनों जगह बीजेपी सरकार है। केंद्र और राज्य दोनों की ऊर्जा विकास में लग रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के राज में महंगाई बढ़ रही थी, चारों ओर घोटाले हो रहे थे और तब भी कांग्रेस सरकार टैक्स का बोझ बढ़ाती जा रही थी। उस समय दो लाख की कमाई पर भी इनकम टैक्स चुकाना पड़ता था। उस समय की सरकार बच्चों की टॉफी पर भी 20 फीसदी से ज्यादा टैक्स लेती थी। तब मैंने कहा था कि मैं आपकी कमाई और बचत दोनों को बढ़ाने का काम करूंगा। बीते सालों हमने 12 लाख तक की आय पर इनकम टैक्स जीरो कर दिया है और आज से जीएसटी को भी हमने सिर्फ दो स्लैब में बांट दिया है। 5 फीसदी और 18 फीसदी। बहुत सारी चीजें टैक्स फ्री हो गई हैं। आप आराम से अब अपना नया घर बना सकते हैं। बाइक खरीदें, बाहर खाने-पीने जाना है, घूमने जाना है, यह सब पहले से सस्ता हो गया है। यह जीएसटी बचत उत्सव बहुत यादगार बनने वाला है। हमें संकल्प लेना है कि हम स्वदेशी अपनाएं। खरीदें वही जो देश में बना हो, बेचें वही जो देश में बना हो।

शारदेय नवरात्र शुरु, मंदिरों में लगने लगी भीड़, खुल गए शक्तिपीठों के कपाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार से शारदेय नवरात्र शुरु हो गया है। सुबह से ही देवी मंदिरों में पूजा-पाठ शुरु हो गई। लोग मंदिरों में पहुंचने लगे हैं। हिमाचल प्रदेश के शक्तिपीठों के कपाट आधी रात से ही खोल दिए गए। बिलासपुर में मां नैना देवी मंदिर के कपाट रात 2 बजे, ऊना में मां चिंतपूर्णी मंदिर के सुबह 4 बजे, कांगड़ा में मां ज्वाला, मां ब्रजेश्वरी और मां चामुंडा देवी के कपाट सुबह 5 बजे खोल दिए गए हैं।

वहीं यूपी के मिर्जापुर के विध्यांचल और फिरोजाबाद के राजराजेश्वरी कैला देवी मंदिर में पैर रखने की जगह नहीं मिल रही थी। काशी में दुर्गा मंदिर में 1किमी लंबी लाइन लगी है। देशभर में दुर्गा पंडाल सज गए हैं। दक्षिण कोलकाता अशोक नगर संघ ने दुर्गा पूजा पंडाल को बांग्ला, आमार मां आर भाषा थीम पर डिजाइन किया है, जिसका अर्थ है बांगला मेरी मातृभाषा है।

इस बार नवरात्रि 10 दिनों की रहेगी, क्योंकि चतुर्थी तिथि दो दिन तक रहेगी। दुर्गाष्टमी 31 सितंबर और महानवमी 1 अक्टूबर को रहेगी। 2 अक्टूबर को दशहरा मनाया जाएगा। चेतला अग्रणी क्लब का दुर्गा पूजा पंडाल इस साल भी भव्य सजावट और पारंपरिक आभा के लिए चर्चा का विषय बन गया है। महालया के अवसर पर सीएम ममता बनर्जी ने यहां पहुंचकर देवी दुर्गा की प्रतिमा पर चक्षुदान किया और माथे पर सजावटी बिंदु लगाया। दक्षिण कोलकाता का एक प्रतिष्ठित आयोजन माना जाता है, जिसकी थीम हर साल विशेष आकर्षण का केंद्र होती है।

राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर बोला हमला

पंजाब में आई बाढ़ से हुआ 20,000 करोड़ का नुकसान... पीएम मोदी ने दिए 1600 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में आई बाढ़ ने पूरे राज्य में त्राहिमाम-त्राहिमाम मचा दिया था। नदियां पूरे उफान पर थीं, सड़कें तालाब बन गईं और इससे कई लोगों के सिर पर से छत भी छिन गई। पंजाब में बारिश ने भयंकर तबाही मचाई, जिसका मंजर पूरे देश ने देखा। हालांकि, अब लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पंजाब की बाढ़ पर सवाल खड़े किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का ऐलान किया था। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का कहना है कि यह पैकेज पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, पंजाब को बाढ़ की वजह से करीब 20,000 करोड़ का नुकसान हुआ है। इसके बाद प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1600 करोड़ का प्रारंभिक राहत पैकेज पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है। सच बताए कि ये ऊंट के मुंह में जीरे के सामना है।

राहुल गांधी ने कहा, लाखों घर उजड़ गए, 4 लाख एकड़ से ज्यादा की फसल बर्बाद हो गई और बड़ी संख्या में जानवर बहे हैं। फिर भी पंजाब के लोगों ने अद्भुत हिम्मत और जज्बा दिखाया है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे फिर पंजाब को खड़ा करने और उन्हें बस सहारे और मजबूती की जरूरत है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी से एक और राहत पैकेज जारी करने की अपील की है। राहुल गांधी ने कहा, मैं पीएम मोदी से फिर से आग्रह करता हूं कि तुरंत एक व्यापक राहत पैकेज जारी किया जाए। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में पंजाब का वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें डराने वाला मंजर देखा जा सकता है। हजारों किसानों की फसलें तबाह हो गई हैं, कई लोगों के घर उजड़ गए। इस वीडियो में राहुल गांधी के पंजाब दौरे की भी झलक देखी जा सकती है।

विदेशी धरती से राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को दो टूक, 'हमने धर्म देखकर नहीं, कर्म देखकर मारा है'

रबात (मोरक्को)/नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेनाओं को पूरी छूट दी गई थीं। सेनाएं हर स्थिति के लिए तैयार थी। यह जानकारी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोरक्को की राजधानी रबात में दी। उन्होंने रामचरितमानस का हवाला देते हुए कहा कि हमने धर्म देखकर नहीं, कर्म देखकर मारा है।

अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मोरक्को की राजधानी रबात में भारतीय समुदाय से संवाद कर रहे थे। इस दौरान प्रवासी भारतीयों ने भी ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र बलों की निर्णायक कार्रवाई की सराहना की।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर कायराना हमले के बाद सेनाओं को पूरी छूट दी गई थी और भारतीय सेनाएं हर स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार थीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की कार्रवाई सोच-समझकर और गैर-उकसाने वाली थी।

उन्होंने पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुई बहुआयामी प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जो 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गया है और जल्द ही शीर्ष तीन में शामिल होने की ओर अग्रसर है।

उन्होंने भारत के डिजिटल परिवर्तन, ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में प्रगति और स्टार्टअप क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जहां 10 वर्ष पहले 18 यूनिकॉर्न थे, वहीं आज 118 हो चुके हैं। रक्षा उद्योग में भी ऐतिहासिक प्रगति हुई है, जो 1.5 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन कर रहा है और 100 से अधिक देशों को 23,000 करोड़ रुपए से अधिक के रक्षा उत्पाद निर्यात कर चुका है।

उन्होंने प्रवासी भारतीयों की मेहनत, ईमानदारी और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय चरित्र की शक्ति को पूरी दुनिया में दर्शाता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म संसद के ऐतिहासिक संबोधन को याद किया और कहा कि भारतीय संस्कृति में व्यक्ति का असली मूल्य उसके चरित्र से तय होता है।

प्रवासी भारतीयों ने भी भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा पर गर्व व्यक्त किया, जो मजबूत आर्थिक आधार और सशक्त सैन्य क्षमता पर आधारित है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रविवार को मोरक्को के कासाब्लांका पहुंचे हैं। यह मोरक्को का दौरा करने वाले किसी भी भारतीय रक्षा मंत्री की पहली ऐतिहासिक यात्रा है।

इस यात्रा को भारत और मोरक्को के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। रक्षा मंत्री अपने प्रवास के दौरान द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और रक्षा एवं सामरिक सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

मोदी सरकार मध्यम वर्ग के लिए ढेरों मौके खोलकर उनकी आय बढ़ा रही

जीएसटी सुधार पर केंद्रीय मंत्री शाह का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं की सेवा करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प को दिखाता हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि नए सुधार भारत के विकास के पहिये को दुनिया में सबसे समृद्ध देश बनने की राह पर और भी तेजी से आगे बढ़ने वाले है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार मध्यम वर्ग के लिए ढेरों मौके खोलकर उनकी आय बढ़ा रही है। यह सुनिश्चित कर रही है कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के द्वारा उनकी बचत बढ़ती रहे। उन्होंने कहा कि आम जरूरत की वस्तुओं, स्वास्थ्य सेवा उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और शैक्षिक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में भारी कमी से उनकी खर्च करने योग्य आय बढ़ेगी और वे बचत करने में प्रोत्साहित होने वाले है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार, सोमवार से शुरू हो रहे नवरात्र के मौके अवसर पर देश की सभी माताओं और बहनों के लिए मोदी सरकार का उपहार हैं। जीएसटी सुधार को लेकर प्रधानमंत्री मोदी का 140 करोड़ देशवासियों से किया गया वादा आज से पूरे देश में लागू हो गया है। इस जीएसटी में 390 से ज्यादा वस्तुओं पर करों में ऐतिहासिक कटौती की गई है।

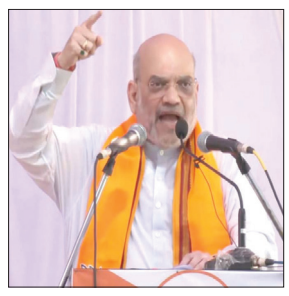

पंजाब में उत्तर भारतीयों पर संकट: बेदखली और पलायन से बिगड़े हालात

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में प्रवासी मजदूरों और उत्तर भारतीयों के खिलाफ माहौल लगातार तनावपूर्ण होता जा रहा है। हाल ही में होशियारपुर में मासूम बच्ची से दुष्कर्म और हत्या की वारदात के बाद कई गांवों में गुस्सा भड़क गया। इसके बाद कई पंचायतों ने बाहरी लोगों को गांव छोड़ने का अल्टीमेटम दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मकान मालिकों पर दबाव डालकर किरायेदारों से घर खाली कराए जा रहे हैं।

जानकारी अनुसार इस स्थिति से लुधियाना, अमृतसर और भटिंडा जैसे औद्योगिक व कृषि केंद्रों से बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर अपने-अपने गृह राज्यों-उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल-की ओर लौट रहे हैं। रेलवे स्टेशनों पर भीड़ और अफरातफरी का माहौल है। मजदूरों के पलायन से फैक्ट्रियों का उत्पादन और खेतों का कामकाज प्रभावित होने लगा है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस स्थिति को और गंभीर बनाने में आतंकी और खालिस्तानी समर्थक संगठनों की भूमिका बताई जा रही है। ये संगठन माहौल को पंजाबी बनाम बाहरी की लड़ाई में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। इससे राज्य में सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था दोनों के लिए बड़ा खतरा खड़ा हो गया है। वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शांति बनाए रखने की अपील की है और प्रवासी मजदूरों को भरोसा दिलाया है कि उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है।

इससे उलट विपक्षी दलों ने राज्य सरकार पर निष्क्रियता और विफलता का आरोप लगाया है। राजनीतिक दलों का कहना है कि सरकार समय रहते कार्रवाई करती तो स्थिति इतनी नहीं बिगड़ती। पहले से बाढ़ की चुनौतियों से जूझ रहे पंजाब में अब सामाजिक तनाव ने हालात को और कठिन बना दिया है। उद्योग जगत और किसान संगठनों ने भी चिंता जताई है कि अगर प्रवासी मजदूरों का पलायन जारी रहा तो राज्य की अर्थव्यवस्था और उत्पादन व्यवस्था चरमरा जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या स्वरचित चक्रव्यूह में उलझ चुका इस्लामी जगत

दरअसल 9 सितंबर को दोहा पर इस्राइली हमले के बाद गत 15 सितंबर को दोहा में अरब-इस्लामी शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसी शिखर सम्मेलन में मिस्र ने यह प्रस्ताव पेश किया कि नाटो की संयुक्त सेना की ही तर्ज़ पर इस्लामी देशों की एक ऐसी संयुक्त सेना यानी अरब यूनिफ़ाइड आर्मी का गठन किया जाये जिसमें सेना, वायुसेना और कमांडो इकाइयों का तालमेल, प्रशिक्षण और लॉजिस्टिक्स को एकीकृत किया जा सके। मिस्र के इस प्रस्ताव को ईरान, इराक़, सऊदी अरब, मोरक्को और अल्जीरिया जैसे देशों से समर्थन हासिल हुआ है। इस प्रस्तावित संयुक्त सेना का उद्देश्य यह है कि अगर किसी मुस्लिम देश पर हमला हो, तो सभी सदस्य मुस्लिम देश मिलकर जवाब दें।

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

क़तर की राजधानी दोहा में हमास नेतृत्व को निशाना बनाकर गत 9 सितंबर को किए गए इज़राइली हवाई हमले के बाद पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है। सबसे अधिक आश्चर्य दुनिया को इस बात को लेकर है कि क़तर मध्य एशिया में अमेरिका का सबसे ख़ास सहयोगी देश है। क़तर के अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घनिष्टता का अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अभी गत मई में ही क़तर के अमीर ने लगभग 400 मिलियन डालर अर्थात लगभग 3,300 करोड़ रुपये का एक ऐसा बोइंग 747-8 लग्ज़री हवाई जहाज़ राष्ट्रपति ट्रंप को भेंट किया जो अमेरिका के वर्तमान एयर फ़ोर्स वन विमान के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। क़तर अमेरिका का इतना ख़ास है कि आज विश्व का सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा अल उदीद एयर बेस है जोकि क़तर की राजधानी दोहा से मात्र 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ 11,000 से भी ज़्यादा अमेरिकी सैनिक हर समय तैनात रहते हैं। यहीं अमेरिका का केंद्रीय कमांड भी है जिसके द्वारा वह इस पूरे क्षेत्र में सैन्य अभियान संचालित करता है। इसके अतिरिक्त अन्य कई सैन्य अड्डे इराक़, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात व कुवैत में भी हैं। इस तरह 18 मुस्लिम बहुल देशों में छोटे बड़े व अलग अलग सैन्य संचालन सुविधाओं से युक्त कई अमेरिकी सैन्य अड्डे मौजूद हैं। इन देशों में अमेरिकी सैन्य बेस का अर्थ है कि उन देशों को अमेरिका ने सैन्य सुरक्षा प्रदान की हुई है। और प्रायः ऐसे अधिकांश देश अपनी आंतरिक सुरक्षा का ढांचा तो ज़रूर रखते हंर परन्तु उनके पास पेशेवर सेना या सैन्य साज़ो सामान नहीं होते। इसी लिए 9 सितंबर को क़तर पर हुये हमले के बाद यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि विश्व का सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा अल उदीद एयर बेस दोहा में होने के बावजूद दोहा में ही इस्राईली सेना ने हवाई हमले का सहस कैसे किया ? क्या इस्राईल ने अमेरिका की कोई परवाह नहीं की ? या अमेरिका को इस हमले की पूर्व सूचना दे दी गयी थी ? अगर अमेरिका को इन हमलों का पता था तो उसने क़तर को समय पूर्व सूचित क्यों नहीं किया ? और इन सबसे बड़ा सवाल यह कि यदि अमेरिकी एयर बेस होने के बावजूद अमेरिका क़तर की इसी तरह की सुरक्षा करेगा तो ऐसे सैन्य अड्डों का लाभ क्या ? और इसी से निकलता इस वक़्त का सबसे अहम सवाल कि तो क्या क़तर सहित अमेरिकी सुरक्षा पर आश्रित सभी देशों को अपना सुरक्षा गार्ड बदलने की ज़रुरत है ? या फिर इस्लामी जगत की एकजुटता और संयुक्त सैन्य आत्मनिर्भरता ही अकेला रास्ता है जो मुस्लिम जगत को अमेरिकी - इस्राईली शिकंजे से मुक्त करा सकता है ?

दरअसल 9 सितंबर को दोहा पर इस्राइली हमले के बाद गत 15 सितंबर को दोहा में अरब-इस्लामी शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसी शिखर सम्मेलन में मिस्र ने यह प्रस्ताव पेश किया कि नाटो की संयुक्त सेना की ही तर्ज़ पर इस्लामी देशों की एक ऐसी संयुक्त सेना यानी अरब यूनिफ़ाइड आर्मी का गठन किया जाये जिसमें सेना, वायुसेना और कमांडो इकाइयों का तालमेल, प्रशिक्षण और लॉजिस्टिक्स को एकीकृत किया जा सके। मिस्र के इस प्रस्ताव को ईरान, इराक़, सऊदी अरब, मोरक्को और अल्जीरिया जैसे देशों से समर्थन हासिल हुआ है। इस प्रस्तावित संयुक्त सेना का उद्देश्य यह है कि अगर किसी मुस्लिम देश पर हमला हो, तो सभी सदस्य मुस्लिम देश मिलकर जवाब दें। यह बल नौसेना, वायुसेना और ज़मीनी इकाइयों पर आधारित होगा, जिसमें कमांडो, आतंकवाद-रोधी और शांति रक्षा इकाइयां शामिल होंगी। इस तरह का प्रस्ताव कोई पहली बार नहीं आया है। बल्कि इससे पहले 2015 में भी मिस्र ही ऐसा प्रस्ताव ला चुका है परन्तु उसपर न कोई अमल हुआ न ही पुनर्विचार।

परन्तु अब इस्राईल द्वारा ग़ज़ा में किया जा रहा जनसंहार, उसपर अमेरिका सहित पूरी दुनिया की ख़ामोशी और इसी ख़तरनाक ख़ामोशी की आड़ में

इस्राईल द्वारा मध्य एशिया में अपने पांव पसारते हुये अपने ग्रेटर इस्राईल नापाक मंसूबों पर तेज़ी से आगे बढ़ने की योजना ने इस्लामी जगत को यह सोचने के लिये बाध्य कर दिया है कि यदि उन्होंने अपने को यथाशीघ्र एकजुट नहीं किया तो कहीं ऐसा न हो कि आने वाले समय में एक एक कर सभी मुस्लिम राष्ट्रों को अमेरिका इस्राईली की ऐसी ही साज़िश का शिकार होना पड़े ? दुनिया को इस चाल को भी समझने की ज़रुरत है कि पूरे विश्व में लोकतान्त्रिक व्यवस्था की वकालत करने वाले अमेरिका को इस्लामी जगत के शाहों,बादशाहों व प्रिंस के शासन से कोई आपत्ति नहीं होती। इस पूरे कुचक्र का कारण यह है कि यह पूरा मध्य एशिया क्षेत्र तेल सम्पन्न इलाक़ा है और अमेरिकी इन तेल संसाधनों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना नियंत्रण रखना चाहता है। अपने इसी उद्देश्य के तहत वह इस क्षेत्र में शिया वर्चस्व का भय दिखाकर ईरान के साथ अन्य अरब देशों को एकजुट भी नहीं होने देता।

परन्तु ईरान ने 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के बाद तथा पहलवी शासन का अमेरिकी समर्थित राजतन्त्र उखाड़ फेंकने के बाद न केवल अपने तेल भंडारों को अमेरिकी गिद्ध दृष्टि से सुरक्षित किया बल्कि स्वयं को शिक्षा,विज्ञान,शोध व सैन्य यहाँ तक कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी इतना मज़बूत किया कि पिछले दिनों दुनिया भर में अपनी आक्रामकता दिखने वाले इस्राईल को ईरान के सामने घुटने टेकने पड़े। यहाँ तक कि अपने ऊपर हुये अमेरिकी हवाई हमले का बदला लेकर भी ईरान ने यह साबित कर दिया कि ईरान अन्य अमेरिकी पिछलग्गू अर्ब देशों से बिल्कुल भिन्न सोच व नीति रखने वाला लोकतान्त्रिक देश है। ईरान ने उन कठिन परिस्थितियों में स्वयं को इतना मज़बूत किया जबकि अमेरिका ने दशकों से ईरान पर अनेक प्रतिबंध लगा रखे हैं। ईरान ने यह साबित कर दिया है कि अमेरिकी चाटुकारिता या ख़ुशामद परस्ती नहीं बल्कि नेक नीयती,मानवता,शिक्षा,संस्कार,वैज्ञानिक शोध तथा इनसे आने वाली एकजुटता व आत्मनिर्भरता ही किसी भी देश को व उसके स्वाभिमान को बचा सकती है। अन्यथा क़तर की ही तरह अन्य आने वाले दिनों में अमेरिकी पिछलग्गुओं को भी ऐसे ही संकटों का सामना करना पड़ेगा। परस्पर विश्वास की कमी के साथ साथ वैसे भी दशकों से अमेरिकी पर आश्रित बना बैठा अधिकांश इस्लामी जगत स्वरचित चक्रव्यूह में ही इतना उलझ चुका है कि उससे निकल पाना आसान नज़र नहीं आता।

संपादकीय

नवरात्र की शक्ति

रविवार को हमने अमावस्या पर पितृ-विसर्जन के जरिये हमारे जीवन को समृद्ध करने वाले पुरखों को पुण्य स्मरण कर विदा किया। सोमवार का सूरज नवरात्र की बहुआयामी शक्ति से पूरे देश में आस्था का उल्लास और उमंग भर रहा है। नवरात्र के साथ ही देश में पर्व-त्योहारों की ऐसी श्रृंखला शुरू हो जाती है, जो जनमानस के तन-मन को ही नहीं, देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई दे जाती है। ऐसे वक्त में जब देश अमेरिका के ट्रैरिफ आतंक से जूझ रहा है, स्वदेशी का मंत्र हमारी आर्थिक व राष्ट्रीय संप्रभुता का संरक्षक बन सकता है। निस्संदेह, दूसरे देशों पर हमारी आर्थिक निर्भरता हमारी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी दुश्मन है। ये विदेशी का मोह, कहीं न कहीं राष्ट्रीय सरोकारों से हमारे विमुख होने का पर्याय भी है। देश में आर्थिक संपन्नता आई तो साथ ही विदेशी वस्तुओं को सम्मोहन भी बढ़ा है। हम स्वदेशी के उस मंत्र को भूल गए, जिसने परतंत्र भारत को आजाद कराने व ब्रिटिश सत्ता की चूलें हिलाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। नवरात्र का पर्व व्रत और शक्ति की आराधना का पर्व है। ऐसी शक्ति जिससे राष्ट्र, समाज व व्यक्ति का कल्याण हो सके। ऐसे वक्त में जब लगातार भारत विरोधी कदम उठा रही ट्रंप सरकार ने भारतीय प्रतिभाओं पर अंकुश लगाने के लिये एच-1 बी वीजा को अस्त्र बनाया है, हमें अपनी प्रतिभाओं को देश में सहेजने का प्रयास करना चाहिए। देश के नीति-नियंताओं को मंथन करना होगा कि अमेरिका के लिये महकने वाली प्रतिभाएं देश को क्यों नहीं महका सकती? यह अच्छी बात है कि नवरात्र पर्व की शुरुआत जीएसटी सुधारों के साथ हो रही है। अब तक दैनिक उपभोग की वस्तुओं व दवाओं आदि पर अतार्किक शुल्क लगाया गया था। जिसे बहुत पहले ही सुधार लिया जाना चाहिए था। देर आए दुरुस्त आए की तर्ज पर कहा जा सकता है कि अब लोगों की बचत बढ़ेगी। बचत बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और बाजार को गति मिलेगी। कुल मिलाकर स्वदेशी अर्थव्यवस्था गतिमान होगी, भारतीय-उद्योग धंधों को संबल मिलेगा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। निस्संदेह, जीएसटी दरों में कमी और पर्व-त्योहारों के इस मौसम में देश के असंगठित क्षेत्र को शक्ति मिलेगी, जो रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत भी है। नवरात्र के व्रत का पहला संकल्प हमारी आस्था और सेहत से है। देश आज मोटापे और उससे उत्पन्न गैर संक्रामक रोग मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदयाघात से जूझ रहा है। इस नवरात्र के दौरान हम अपने खानपान को संयमित करके आस्था के संबल के साथ अपनी सेहत में सुधार कर सकते हैं। हमारे पर्व-त्योहार गहरे तक हमारे व्यावहारिक जीवन से जुड़े हैं। उनके गहरे निहितार्थों को समझने की जरूरत है। ये पर्व व त्योहार महज कर्मकांड ही नहीं है, इसके व्यक्ति, समाज और अर्थव्यवस्था के लिये गहरे संदेश हैं। इस तरह नवरात्र बेटियों को शक्तिशाली बनाने, लैंगिक भेदभाव खत्म करने और समाज में तनाव-अवसाद दूर करके व्यक्ति और समाज को स्वस्थ बनाने का पर्व है। हमें पर्व के मर्म को समझना है।

अमेरिका के लिए आत्मघाती होंगी ट्रम्प की नीतियां

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

अमेरिकी इतिहास जब लिखा जाएगा तो लिखा जाएगा कि एक राष्ट्रपति ऐसे बने थे, जो दुनिया बदल डालने, अपनी उंगली पर नचाने की हनक पाले हुए थे, परंतु खुद भी मज़ाक के पात्र बन गए थे। आज डोनाल ट्रम्प अमेरिकी इतिहास के सबसे हास्यापद राष्ट्रपति के रूप में जाने जाते हैं, ट्रम्प सुबह पाकिस्तान के साथ होते हैं तो शाम को भारत के पक्ष में हो जाते हैं।। कभी चाइना के राष्ट्रपति की तारीफों के पुल बांधने लगते हैं तो कभी रसिया के राष्ट्रपति के सम्मान में नारे लगाने लगते हैं। कभी भारत को मित्र बताते हैं तो कभी भारत को सबसे बड़ा दुश्मन... समझ नहीं आता कि ट्रम्प ऐसा क्यों कर रहे हैं। जब से ट्रम्प दोबारा राष्ट्रपति बने हैं, तब से ऐसा कोई भी दिन नहीं गया जिस दिन उन्होंने भारत के खिलाफ़ गलत बयानी न किया हो। पहले 50ब्र टैरिफ लगा दिया, और अब एच-1 वीजा में सख्ती लगा दी है। ट्रम्प भली भांति जानते हैं कि दक्षिण एशिया में चीन की दादागिरी के सामने अगर कोई टिक सकता है तो वो केवल और केवल भारत है। अन्यथा दक्षिणी एशिया में चाइना अमेरिका की धज्जियाँ उड़ा देगा। ट्रम्प हर दिन भारतीय मीडिया में छाए रहते हैं। आजकल अपनी वीजा पॉलिसी के लिए खबरों में हैं। हर दिन ट्रम्प भारत के खिलाफ़ निर्णय लेते हैं जिससे भारत के बाज़ार में हलचल हो भारतीय लोगों को परेशानी का कारण पड़ता है। ट्रम्प को भूलना नहीं चाहिए कि भारत एक संप्रभुता वाला राष्ट्र है,

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच1-बी वीजा को लेकर बड़ा ऐलान किया है। एच1-बी वीजा के लिए आवेदन शुल्क को बढ़ाकर 100000 डॉलर यानी लगभग 84 लाख रुपये कर दिया गया है। इस घोषणा के बाद अमेरिका में काम कर रहे भारतीयों में हड़कंप मचा हुआ है। अमेरिका में एच1बी वीजा धारकों की सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है, जिन्हें अब अपनी नौकरी पर खतरा नजर आ रहा है। असमंजस की स्थिति और बढ़ गई जब अमेरिकी दिग्गज कंपनियों ने कर्मचारियों को 20 सितम्बर तक हर हाल में अमेरिका वापस लौटने की सलाह दी। इस बीच वॉइट हाउस ने बयान जारी कर स्थिति को साफ किया है। वॉइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने शनिवार को स्पष्ट किया है कि हाल ही में घोषित 10000 डॉलर का एच1-बी वीजा शुल्क केवल नए वीजा आवेदनों पर लागू होगा। उन्होंने साफ कहा कि यह वार्षिक शुल्क नहीं है। दरअसल ट्रंप की एच1-बी वीजा में व्यापक बदलाव की योजना ने भारतीय आईटी पेशेवरों और कंपनियों में यह आशंका पैदा कर दी है कि अमेरिका से बाहर रहने वाले वीजा होल्डर को वापस लौटने के लिए तत्काल समय सीमा का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले को लेकर भारत में जबरदस्त हलचल हो गई है क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय प्रोफेशनल्स एच-1बी वीजा प्रोग्राम के तहत अमेरिका में नौकरी करने जाते हैं। देखा जाए तो इस कदम से भारतीय परिवारों के लिए मुश्किल पैदा हो सकती है। भारत सरकार ने उम्मीद जताई कि इन मुश्किलों को अमेरिकी अधिकारी सही ढंग से हल कर सकते हैं। भारत और अमेरिका दोनों देशों के उद्योग जगत की इनोवेशन और क्रिएटिविटी में हिस्सेदारी है और उनसे आगे बढ़ने के बेहतर रास्ते पर परामर्श की उम्मीद की जा सकती है। स्किल्ड लोगों की आवाजाही ने अमेरिका और भारत में प्रौद्योगिकी विकास, इनोवेशन, आर्थिक वृद्धि, प्रतिस्पर्धा और संपन्नता बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। इसलिए, नीति-निर्माता हाल के अमेरिकी फैसले का आकलन आपसी हितों को ध्यान में रखते हुए करेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच गहरे पीपल -टू पीपल संबंध भी शामिल हैं।

एक बड़ी चिंता यह खड़ी हो गई है कि ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के बाद क्या भारत में ऐसे लोग जो अमेरिका जाकर काम करने की ख्वाहिश रखते हैं और सपना देखते हैं, उनका यह सपना टूट जाएगा क्योंकि कंपनियां किसी कर्मचारी के लिए इतनी बड़ी राशि का भुगतान करने के लिए शायद तैयार नहीं होगी। यह फैसला 21 सितंबर से लागू होगा। कहा जा रहा है कि अमेरिका के इस फैसले का सबसे ज्यादा असर भारतीयों पर ही होगा। दो लाख से ज्यादा भारतीयों पर इसका सीधे तौर पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी आईटी कंपनियों में काम करने वालों पर असर पड़ेगा। अब अमेरिका में कम नौकरियों के अवसर होंगे। अमेरिकी यूनिवर्सिटी में मास्टर या पीएचडी करने वाले छात्रों पर असर पड़ेगा। पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका में सीमित अवसर होंगे. अगर आप पढ़ाई करने गए और वहां पर आप नौकरी का अवसर तलाशते हैं तो वो भी सीमित हो जाएंगे क्योंकि वरीयता होगी अमेरिका के लोगों को लिया जाए। भारतीय छात्रों और लोगों पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा। अमेरिका में करियर की शुरुआत करने वालों को दिक्कत होगी। अमेरिका में अधिकर भारतीय आईटी क्षेत्र में कार्यरत होते हैं। यानी कि जो लोग जो आईटी प्रोफेशनल्स है या फिर दूसरी कंपनी में काम करते हैं, उनके लिए सबसे ज्यादा इसका असर पड़ने वाला है। मिड-लेवल और एंट्री लेवल कर्मचारियों को वीजा मिलने में मुश्किल आएगी। अमेरिकी कंपनियां नौकरियां दूसरे देशों से आउटसोर्स कर सकती हैं। यानी अब जो दूसरे देश है वहां पर भी इसका उनको अवसर मिलेगा, यानि भारतीयों को भारत के लोगों को इसका सीधा नुकसान हो रहा है। यह कदम केवल भारतीयों पर ही नहीं, बल्कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर भी असर डालेगा, इसका सीधा असर अमेरिका में भी पड़ेगा, वहाँ की आर्थिक स्थिति पर असर होगा, परंतु डोनाल्ड ट्रम्प ने ठान लिया है कि अमेरिका को चाहे जितना नुकसान हो जाए, चर्चा में बने रहने के लिए अनाप - शनाप निर्णय लेते रहेंगे। इसलिए कहना गलत नहीं कि अमेरिकी इतिहास के सबसे अपरिपक्व राष्ट्रपति सिद्ध होंगे।

ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

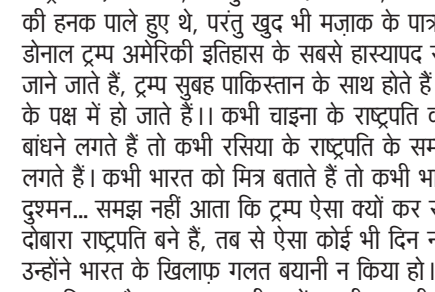

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन् 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है।

डेसी बल ध्वनि की तीव्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार 'ग्राहमबेल' वैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि हृदयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे हृदय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और आँतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अत- हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

चीन और भारत में 40 करोड़ अस्थाई मजदूर -कर्मचारी

(लेखक-सनत जैन)

सामाजिक व्यवस्था पर पड़ रहा विपरीत असर, रहने को घर नहीं शादी भी नहीं हो रही आधुनिक टेक्नोलॉजी (तकनीकी) के कारण सारी दुनिया के देशों में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। युवाओं को रोजगार और नौकरी नहीं मिल रही है। सारी दुनिया के देशों में एक नया ट्रेंड चल गया है, जिसके चलते अब अस्थाई कामगार रखे जा रहे हैं। भारत में भी संविदा नियुक्ति और अस्थाई कामगारों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही चली जा रही है। बहुत कम पारिश्रमिक देकर इन्हें काम पर रखा जाता है। जब तक काम होता है, तब तक उनकी सेवाएं ली जाती हैं। इसके बाद कभी भी इन्हें नौकरी से बेदखल कर दिया जाता है। जिसके कारण भारत सहित चीन जैसे देश जो बड़ी तेजी के साथ अपनी जीडीपी को बढ़ा रहे हैं, इस समस्या से जूझ रहे हैं। दुनिया के सभी देशों में चीन का माल सबसे ज्यादा बिक रहा है। भारत जैसे देश में सबसे ज्यादा आबादी होने के कारण यहां माल की खपत ज्यादा है। चीन का सामान भारत में बड़े पैमाने पर बिकने आ रहा है। बावजूद इसके मजदूरों एवं अन्य कर्मचारियों को औद्योगिक एवं सरकारी संस्थानों में अब स्थाई नौकरी नहीं मिल रही है। इसका असर सामाजिक व्यवस्था में देखने को मिलने लगा है। अस्थाई कर्मचारियों को भारत और चीन जैसे देश में कोई किराए पर मकान नहीं देता है। युवाओं को शादी के लिए लड़कियां भी नहीं मिल रही है। हाल ही में चीन से जो समाचार आया है, उसके अनुसार 20 करोड़ शहरी श्रमिकों को चीन में किराए पर मकान नहीं मिल रहे हैं। ना ही उनकी शादी हो पा रही है। भारत में इस तरह का कोई सर्वेक्षण अभी नहीं किया गया है, लेकिन पिछले दो दशकों में जिस तरीके से भारत में नियम, कायदे-कानून में बदलाव आए हैं। सरकार और सरकारी संस्थान संविदा में नियुक्तियां कर रहे हैं। स्थाई पद धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं। संविदा में बहुत कम पारिश्रमिक दिया जा रहा है। 7 हजार से लेकर 12 हजार रुपये प्रतिमाह का वेतन संविदा और अस्थाई कर्मचारियों को मिल रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियों और संस्थानों द्वारा ठेके पर काम दिया जा रहा हैं। जब तक ठेका रहता है तब तक उसकी नौकरी बनी रहती है, ठेका खत्म होते ही नौकरी खत्म हो जाती है। चीन ने मैन्युफैक्चरिंग एवं तकनीकी सेक्टर में सारी दुनिया में अपना झंडा गाड़ रखा है । चीन जैसे देश में भी स्थाई कर्मचारियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। अब जो भी काम हो रहा है, वह टेक्नोलॉजी के कारण औद्योगिक, कृषि कार्यों और अन्य कार्यों में मानव क्षमता लगातार कम होती जा रही है। कंपनियां उत्पादन लागत घटाने और मुनाफा बढ़ाने के लिए तकनीकी का उपयोग कर रहे हैं। रही सही कसर अब एआई तकनीकी पूरी कर रही है। सारी दुनिया के संपन्न देश और भारत के करोडों युवाओं के लिए रोजगार और नौकरी का संकट बढ़ता जा रहा है। भारत में भी डिग्री धारी और हाई स्कूल पास युवाओं, जिनकी संख्या करोड़ों में है, इनके पास कोई नौकरी और रोजगार नहीं है। जो हालात चीन के हैं, लगभग वही हालात भारत के हैं। यहां पर भी 30-35 से 40 साल की उम्र तक युवाओं की शादी नहीं हो रही है । युवाओं के पास कोई रोजगार और नौकरी के अवसर नहीं है। भारत सबसे बड़ी युवाओं की आबादी वाला देश होने के बाद भी अपने युवाओं को रोजगार उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। ऐसे में क्या स्थिति होगी, आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। चीन की सामाजिक व्यवस्था में आबादी का संकट खड़ा होने लगा है। चीन में बुजुर्ग आबादी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। चीन में शादियां नहीं हो रही है, तो संतान भी कम पैदा हो रही है। बच्चे पैदा करने के लिए चीन की सरकार प्रोत्साहन दे रही है। भारत और एशियाई देशों को वर्तमान स्थिति में चीन की हालत को देखते हुए सबक लेने की जरूरत है। तकनीकी का उपयोग यदि आर्थिक एवं सामाजिक विकास के बीच में समन्वय बनाकर करते हैं, तो वह अच्छा माना जाएगा। जिस तरह से तकनीकी के माध्यम से सामाजिक जीवन एवं पारिवारिक जीवन में मशीनों का उपयोग दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है, उसके दुष्परिणाम बड़ी संख्या में देखने को मिलने लगे हैं। हाल ही के वर्षों में दुनिया भर के एक दर्जन देशों में आंदोलन और प्रदर्शनों की बाढ़ आ गई है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों में सत्ता परिवर्तन इसका ताजा उदाहरण है। जब एक बड़ी आबादी को पढ़ने-लिखने के बाद भी काम नहीं मिलेगा तो ऐसी स्थिति में सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। टेक्नोलॉजी और मशीनीकरण के कारण सामाजिक एवं आर्थिक व्यवस्था तहस-नहस हो गई है। अब कर्ज की अर्थव्यवस्था जो भारत सहित दुनिया के सभी देशों में आर्थिक मंदी का कारण बनती चली जा रही है। लोगों के पास खर्च करने के लिए पैसे ही नहीं हैं। कर्ज लेकर सबने 20 साल खूब घी पी लिया है, अब कर्ज की किस्त चुकाने के लिए पैसा नहीं है। ऐसी स्थिति में कर्ज लेकर विकास करने की जो अवधारणा विश्व स्तर पर बनाई गई थी, वह अपने अंतिम दौर में हैं। रही-सही कसर सोशल मीडिया और इंटरनेट ने पूरी कर दी है। जो एक नशे के रूप में घर-घर में पहुंच गई है। समय रहते उपरोक्त समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आगे चलकर आर्थिक कारणों से कोई भी देश सुरक्षित नहीं रहेगा। गृह युद्ध की आहट जैसी स्थितियां भारत सहित कई देशों में देखने को मिलने लगी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टेकडी साइबर सिक्योरिटी की तगड़ी लिस्टिंग, निवेशकों को हुआ बड़ा मुनाफा

मुंबई टेकडी साइबर सिक्योरिटी लिमिटेड ने 22 सितंबर को शेयर बाजार में जोरदार एंट्री की। कंपनी का शेयर एनएसई एसएमई पर 193 के इश्यू प्राइस के मुकाबले 366.70 रुपए पर लिस्ट हुआ, जिससे निवेशकों को प्रति शेयर 173.70 रुपए का लाभ मिला। लिस्टिंग के तुरंत बाद शेयर में 5 फीसदी अपर सर्किट लगने से यह 385 रुपए तक पहुंच गया। इस आईपीओ को निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। 38.99 करोड़ रुपए के इश्यू को कुल 718 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। आईपीओ 15 से 17 सितंबर के बीच खुला था। लॉट साइज 600 शेयर रखा गया और रिटेल निवेशकों को कम से कम दो लॉट खरीदने थे, जिससे न्यूनतम निवेश राशि 2.31 लाख रुपए हो गई थी। शानदार लिस्टिंग से यह साफ है कि साइबर सिक्योरिटी सेक्टर में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

जियो पेमेंट्स बैंक ने लॉन्च किया सेविंग्स प्रो

मुंबई जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की सहायक कंपनी जियो पेमेंट्स बैंक ने सोमवार को सेविंग्स प्रो सेवा की शुरुआत की। इस सुविधा के तहत ग्राहकों के बचत खाते में तय सीमा से अधिक धनराशि को स्वचालित रूप से ओवरनाइट म्युचुअल फंड (ग्रोथ प्लान) में निवेश किया जाएगा। प्रारंभिक चरण में ग्राहक 5,000 रुपए से शुरू होने वाली सीमा तय कर सकते हैं और इस सीमा से ऊपर की राशि चुनिंदा कम-जोखिम वाले फंड्स में निवेशित होगी। ग्राहक प्रतिदिन अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक का निवेश कर सकेंगे। जियो पेमेंट्स बैंक का दावा है कि यह सुविधा पारंपरिक सेविंग अकाउंट की तुलना में बेहतर रिटर्न देगी। यह सेवा कुछ ही क्लिक में मोबाइल ऐप के माध्यम से सक्रिय की जा सकती है। यह कदम डिजिटल बैंकिंग और निवेश को एकीकृत करते हुए ग्राहकों को अधिक लाभ दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संदूर मैग्नीज एंड आयरन ओर देगा 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर

नई दिल्ली संदूर मैग्नीज एंड आयरन ओर` लिमिटेड जो मैंगनीज और आयरन ओर्स माइनिंग में काम करती है, ने अपने शेयरधारकों के लिए 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि हर एक शेयरधारक को हर एक शेयर पर दो अतिरिक्त मुफ्त शेयर मिलेंगे। कंपनी ने इस प्रस्ताव को 8 अगस्त को अपनी बोर्ड मीटिंग में मंजूरी दी। बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट 22 सितंबर निर्धारित की गई है। इस तारीख को जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वे बोनस के पात्र होंगे। इसके अलावा कंपनी ने हाल ही में 1.25 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड भी घोषित किया था, जिसकी रिकॉर्ड डेट 10 सितंबर 2025 थी। निवेशकों को डिविडेंड के साथ-साथ बोनस शेयर का फायदा भी मिलेगा। कंपनी का बीएसई पर शेयर 20 सितंबर को 478.20 रुपये पर बंद हुआ, जो पिछले दिन से 1.18 फीसदी अधिक था। पिछले 52 हफ्तों में इसके शेयर की कीमत 338.30 रुपये से लेकर 557.50 रुपये तक गई। हाल के महीनों में कंपनी के शेयर में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है, जैसे 2 हफ्तों में 3 फीसदी, 3 महीनों में 5 फीसदी और 5 वर्षों में 1106 फीसदी तक रिटर्न मिला है।

घर बनाना हुआ सस्ता! सीमेंट और मार्बल पर जीएसटी दरों में बड़ी कटौती

- अब सीमेंट पर 28 की जगह 18 और मार्बल-ग्रेनाइट पर 5 फीसदी जीएसटी लगेगा

नई दिल्ली त्योहारी सीजन से पहले केंद्र सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत दी है। सरकार ने सीमेंट, मार्बल और ग्रेनाइट जैसे निर्माण से जुड़ी जरूरी चीजों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती की है। यह नई दरें 22 सितंबर से लागू हो गई हैं। अब सीमेंट पर जीएसटी दर 28 से घटाकर 18 फीसदी कर दी गई है, जबकि मार्बल और ग्रेनाइट ब्लॉक्स पर 12 की जगह 5 फीसदी टैक्स लगेगा। इससे उन लोगों को सीधा लाभ मिलेगा जो नया घर बनवा रहे हैं या खरीदने की योजना बना रहे हैं। मान लीजिए आप 40 लाख रुपए की लागता का मकान बना रहे हैं, तो उसमें करीब 8 लाख रुपए केवल सीमेंट पर खर्च होता है। पहले इस पर 2.24 लाख रुपए जीएसटी लगता था, जो अब घटकर 1.44 लाख रुपए हो जाएगा। इस तरह सिर्फ सीमेंट पर ही 80,000 रुपए की सीधी बचत होगी। इससे मकान की कुल लागत में करीब 1 लाख रुपए तक की कमी आ सकती है।

जीएसटी दरों में कटौती से कंपनियों के राजस्व में 7 फीसदी तक वृद्धि की उम्मीद

त्योहारी सीजन में राहत : ऑटो, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की कीमतें घटेंगी

नई दिल्ली

देश में नई जीएसटी दरें आज से, यानी नवरात्र के पहले दिन सोमवार से लागू हो गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कटौती से इस वित्त वर्ष में भारतीय कंपनियों के राजस्व में 6 से 7 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। यह अनुमान पहले की तुलना में 25 से 50 आधार अंक अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब वैश्विक अनिश्चितताएं बनी हुई हैं और देश में त्योहार व शादी का मौसम शुरू हो रहा है, जब उपभोग अपने चरम पर होता है। रिपोर्ट बताती है कि उपभोग में बढ़ोतरी कॉर्पोरेट राजस्व का लगभग 15 फीसदी भाग है, जिससे कंपनियों को लाभ होगा। जीएसटी दरों में कटौती का असर खासतौर पर एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर में देखने को मिलेगा, जिससे उपभोक्ताओं को कीमतों में राहत मिलेगी। हालांकि, मुनाफाखोरी रोधी नियमों के कारण कंपनियों के मार्जिन में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हो पाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी ढांचे को सरल बनाकर यह फैसला आर्थिक सुधार को समर्थन देगा। रिपोर्ट के अनुसार, 90 फीसदी से अधिक उत्पाद कैटेगरी पर टैक्स दरें कम होने से देश की जीडीपी में 20-30 आधार अंकों की वृद्धि संभव है। एयरलाइंस सेक्टर पर प्रभाव सीमित रहेगा क्योंकि इकोनॉमी क्लास पर जीएसटी दर 5 फीसदी यथावत रखी गई है। हालांकि, प्रीमियम क्लास टिकटों पर दर 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसी कर दी गई है।

आधार कार्ड से जुड़ी लापरवाही पड़ सकती है भारी, हो सकती है जेल और जुर्माना

नई दिल्ली आधार कार्ड आज हर भारतीय के लिए एक अनिवार्य पहचान दस्तावेज़ बन गया है। इसका उपयोग बैंक खाते खोलने, मोबाइल सिम लेने, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले जैसी आवश्यक सेवाओं में किया जाता है। इसी वजह से यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने इससे जुड़े नियमों को सख्त बनाया है। अगर कोई व्यक्ति आधार बनवाते समय जानबूझकर गलत जानकारी देता है, तो यह अपराध की श्रेणी में आता है। ऐसे मामलों में दोषी को 3 साल तक की जेल या 10,000 रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। इसके अलावा बिना अनुमति किसी और के आधार में बदलाव करना भी गैरकानूनी है। इसी तरह यूआईडीएआई की मंजूरी के बिना आधार डेटा एकत्र करना या साझा करना भी अपराध है, जिसकी सजा 3 साल की कैद और जुर्माने के रूप में हो सकती है। अगर कोई व्यक्ति या संस्था आधार सिस्टम में हैकिंग या डेटा चोरी जैसे गंभीर अपराध में लिप्त पाया जाता है, तो उसे 10 साल तक की जेल और 10 लाख रुपए तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है।

पीरामल एंटरप्राइजेज और फाइनेंस का विलय, 23 सितंबर रिकॉर्ड डेट घोषित

- पीईएल के शेयर 23 सितंबर के बाद नहीं होंगे ट्रेड, निवेशकों को 1:1 अनुपात में मिलेंगे शेयर

नई दिल्ली पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड (पीईएल) ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, पीरामल फाइनेंस लिमिटेड (पीएफएल) के साथ मर्जर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनी ने 23 सितंबर को रिकॉर्ड डेट घोषित की है, जिसके बाद पीईएल के शेयर बाजार में ट्रेड नहीं होंगे। इसके बदले निवेशकों को 1:1 अनुपात में पीएफएल के शेयर दिए जाएंगे। कंपनी द्वारा 20 सितंबर को बीएसई और एनएसई को दी गई फाइलिंग के अनुसार, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने इस कॉम्पोजिट स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को मंजूरी दे दी है और 16 सितंबर से यह मर्जर प्रभावी हो गया है। इस विलय का उद्देश्य पीरामल समूह की सभी लेंडिंग और फाइनेंसिंग गतिविधियों को एकीकृत करना है। मर्जर के बाद, योग्य निवेशकों को पीएफएल के शेयर अलॉट किए जाएंगे। अलॉटमेंट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पीएफएल अपने शेयरों को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट कराने के लिए आवेदन करेगा। जब तक ये शेयर लिस्ट नहीं हो जाते, तब तक निवेशक उन्हें बाजार में ट्रेड नहीं कर पाएंगे। हालांकि पीएफएल की मौजूदा डेट सिक्योरिटीज पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 466 , निफ्टी 124 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 466.26 अंक करीब 0.56 फीसदी टूटकर 82,159.97 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124.70 अंक तकरीबन 0.49 फीसदी नीचे आकर 25,202.35 पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी, निफ्टी उर्जा 0.69 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 0.69 फीसदी और निफ्टी कंजप्शन 0.24 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 394.85 अंक करीब 0.67 फीसदी की गिरावट के साथ 58,699.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 215.65 अंक या 1.17 फीससी टूटकर 18,288.90 पर आ गया।

सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, एचयूएल, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी और पावर ग्रिड लाभ वाले शेयरों में थे। टेक महिंद्रा, टीसीएस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, एलएंडटी, एसबीआई और आईटीसी के शेयर नुकसान में रहे।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार गिरावट से खुला। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा नियमों में किए गए बड़े बदलाव से आईटी सेक्टर में भारी दबाव देखा गया। बीएसई सेंसेक्स 450 अंकों की गिरावट के साथ 82,151.07 पर खुला, जबकि

निफ्टी 25,238 पर खुला। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में सकारात्मक माहौल रहा। ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच टेलीफोनिक बातचीत से ग्लोबल निवेशकों में उम्मीद जगी। जापान का निक्केई 1.4 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.9 फीसदी ऊपर रहा। इस बीच भारत में आज से जीएसटी 2.0 लागू हो गया है।

सरकार ने टैक्स स्लैब की संख्या चार से घटाकर दो कर दी है - 5 और 18 फीसदी। रोजमर्रा की चीजें और वाहन सस्ते हो गए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है। आईपीओ बाजार में भी हलचल रही।

ट्रंप ने वीजा शुल्क बढ़ाया भारत की टेक कंपनियों को मिल सकते हैं कामयाबी के पंख

नई दिल्ली

अमेरिका ने एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर एक लाख डॉलर कर दिया है। तमाम कंपनियों में इसको लेकर हड़कंप मच गया। हालांकि राहत वाली बात ये हैं कि जानकार बता रहे हैं कि ट्रंप के इस फैसले से भारत की टेक कंपनियों को कामयाबी के नए पंख मिल सकते हैं। इसके एक नहीं कई कारण है।इतिहास बताता है कि जब भी अमेरिका ने एच-1बी पर रोक लगाई, भारत ने उसे मौके में बदला। वाय2के ने आईटी सर्विस इंडस्ट्री को जन्म दिया, 2008 ने ऑफशोरिंग बढ़ाई और ट्रंप के पहले टर्म ने स्टार्टअप कल्चर को मजबूत किया। 2025 की यह फीस भारत को ग्लोबल टेक लीडर बनाने की दिशा में एक और कदम है। हां, चुनौतियां भी हैं - लौटने वाले टैलेंट के लिए अच्छी नौकरियां और बेहतर इंफास्ट्रक्चर जरूरी होगा। लेकिन अगर भारत इसे सही से मैनेज करे तो 100 अरब डॉलर की आईटी एक्सपोर्ट इंडस्ट्री 500 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। अमेरिका का 'सेल्फ-गोल' भारत के लिए 'गोल्डन गोल' साबित हो सकता है।1990 के दशक के आखिर में वाय2के बग का डर था कि साल 2000 आते ही कई कंप्यूटर सिस्टम क्रैश हो जाएंगे। अमेरिकी और यूरोपीय कंपनियों को तुरंत सॉफ्टवेयर अपडेट करने के लिए सस्ते और कुशल प्रोग्रामर्स चाहिए थे, लेकिन वहां टैलेंट कम था। भारत के इंजीनियरिंग कॉलेजों से निकले और अंग्रेजी बोलने वाले प्रोग्रामर्स ने इस मौके को पकड़ा।टीसीएस, इंफोसिस और विप्रो जैसी कंपनियों ने वाय2के प्रोजेक्ट्स लिए। नास्सकॉम के अनुसार 1998-2001 के बीच

भारत ने 2.5 अरब डॉलर के वाय2के कॉन्ट्रैक्ट्स हासिल किए। उस समय एच-1बी वीजा की लिमिट और सख्त जांच के कारण कई भारतीय प्रोग्रामर्स अमेरिका नहीं जा पाए। नतीजा यह हुआ कि कंपनियों ने काम भारत में ही शिफ्ट कर दिया। बेंगलुरु और हैदराबाद में नए ऑफिस खुले और आईटी एक्सपोर्ट 2000 में 4 अरब डॉलर से बढ़कर 2005 में 17.7 अरब डॉलर हो गया। यही भारत के आईटी सेक्टर का पहला बड़ा बूम था।

एफपीआई ने भारतीय बाजार से अब तक 7,945 करोड़ निकाले

नई दिल्ली वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर 2025 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 7,945 करोड़ रुपये की निकासी की है। डिपॉजिटरी आंकड़ों के अनुसार यह निकासी जुलाई और अगस्त में क्रमशः 17,700 करोड़ और 34,990 करोड़ रुपए रही थी। इस साल अब तक एफपीआई द्वारा कुल 1.38 लाख करोड़ रुपये की निकासी हो चुकी है। हालांकि सितंबर के दौरान कुछ सकारात्मक घटनाक्रम भी देखे गए। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 0.25 फीसदी की कटौती के बाद एफपीआई ने एक सप्ताह में लगभग 900 करोड़ रुपये की खरीदारी की, जिससे बाजार को अस्थायी राहत मिली। विश्लेषकों का मानना है कि 2025 में दो और दर कटौती की संभावना से वैश्विक तरलता में सुधार हो सकता है। बाजार के जानकारों के मुतो बिक ब्याज दरों में कटौती एफपीआई को आकर्षित कर सकती है, लेकिन फिलहाल वे शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। भारत की स्थिर आर्थिक स्थिति और अमेरिका-भारत व्यापार विवाद में कमी से माहौल में कुछ सुधार हुआ है। दिलचस्प रूप से, एफपीआई ने शेयर बाजार से निकासी के साथ-साथ बॉन्ड बाजार में निवेश बढ़ाया है। उन्होंने सामान्य सीमा के तहत 900 करोड़ और वीआरआर के माध्यम से 1,100 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

मशहूर एसयूवी बोलेरो नियो अब अपडेटेड वर्जन में होगी पेश

नई दिल्ली

जल्द ही भारतीय बाजार में मशहूर एसयूवी बोलेरो नियो अब अपडेटेड वर्जन में लॉन्च होने वाली है। कंपनी इसे इसी महीने पेश कर सकती है। तस्वीरों से इसके फ्रंट डिजाइन में बड़े बदलाव साफ दिखाई देते हैं। नई बोलेरो नियो में नए डिजाइन वाले हेडलैंप्स, डीआरएलएस के साथ रीडिजाइन फ्रंट ग्रिल और अपडेटेड बंपर दिए जाएंगे। इससे इसका लुक पहले से ज्यादा दमदार और मॉडर्न हो जाएगा। हालांकि, बोलेरो की आइकॉनिक पहचान बनाए रखने के लिए बाकी डिजाइन एलिमेंट्स पुराने जैसे ही रखे गए हैं। इंटीरियर में इस बार प्रीमियम टच दिया जाएगा। माना जा रहा है कि इसमें बड़ा इंफोटेनमेंट स्क्रीन लेटेस्ट सॉफ्टवेयर सपोर्ट के साथ, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नया डैशबोर्ड लेआउट और अपडेटेड सीट अपहोल्स्ट्री जैसे फीचर्स देखने को मिलेंगे। इन बदलावों से केबिन पहले से ज्यादा मॉडर्न और टेक्नोलॉजी-फ्रेंडली बन जाएगा। इंजन और परफॉर्मेंस के मामले में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। कंपनी इसमें मौजूदा वर्जन वाला इंजन और गियरबॉक्स ही उपलब्ध कराएगी। हालांकि, ड्राइविंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए हल्की-फुल्की फाइन-ट्यूनिंग की जा सकती है। ऑटो सेक्टर के जानकारों के मुताबिक, 2025 बोलेरो नियो का सीधा मुकाबला मारुति ब्रेज़ा और किया सोनेट जैसी एसयूवी से होगा।

नया इलेक्ट्रिक फैमिली स्कूटर अंपेरे मेग्नस ग्रांड लॉन्च

नई दिल्ली

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने अपना नया इलेक्ट्रिक फैमिली स्कूटर अंपेरे मेग्नस ग्रांड लॉन्च कर दिया है। मेग्नस ग्रांड की शुरुआती कीमत 90,000 रुपए (एक्स-शोरूम) रखी गई है। इसे मेग्नस नियो के आधार पर तैयार किया गया है, लेकिन इसके डिजाइन और फीचर्स को अपग्रेड किया गया है। कंपनी ने इसे खासतौर पर उन परिवारों के लिए डिजाइन किया है, जो इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में स्टाइल, सेफ्टी और कम्फर्ट चाहते हैं। डिजाइन की बात करें तो यह स्कूटर मैचा ग्रीन और ओशन ब्लू जैसे ड्यूल-टोन कलर्स में उपलब्ध है, जिनमें सुनहरी बैजिंग दी गई है। मजबूत बॉडी, बड़े ग्रैब रेल्स और लंबी सीट इसे पारिवारिक इस्तेमाल के लिए आदर्श बनाते हैं। तकनीकी दृष्टि से इसमें 2.3 केडब्ल्यूएच की एलएफपी बैटरी मिलती है, जो एक बार चार्ज करने पर 80-95 किमी तक की रेंज देती है। कंपनी इस बैटरी पर 5 साल या 75,000 किमी की वारंटी भी दे रही है। इको मोड में इसका प्रदर्शन सबसे बेहतर बताया जा रहा है।

हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद, त्योहारों में होगी रिकॉर्ड बिक्री

- दोपहिया बाजार में बरकरार रहेगा शीर्ष स्थान

नई दिल्ली

हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद है कि इस साल त्योहारों का मौसम कंपनी के लिए अब तक का सबसे अच्छा साबित होगा। जीएसटी में कटौती के बाद मांग में तेजी आने की संभावना है, जिससे बिक्री के आंकड़े मजबूत होंगे।

कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया` कि पहले पांच महीनों में बिक्री लगभग स्थिर रही, लेकिन नवरात्र और त्योहारों के दौरान अच्छी बुकिंग देखी जा रही है। हीरो मोटोकॉर्प इस बार 12 नए उत्पाद पहली बार त्योहारों के मौके पर बाजार में ला रही है, जिससे कंपनी को दोहरा फायदा होने की उम्मीद है। मौजूदा उत्पादों के साथ-साथ नई पेशकशों की वजह से कंपनी उद्योग से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रही है। उन्होंने कहा` कि यह सकारात्मक माहौल कंपनी के लिए उत्साहजनक है और इसे बढ़ावा देगा। वित्त वर्ष 2024-25 में हीरो मोटोकॉर्प ने दोपहिया वाहन बिक्री में 54,45,251 इकाइयों के साथ शीर्ष स्थान कायम रखा है। मुख्य प्रतिस्पर्धी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री 47,89,283 रही। अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार, हीरो लगभग दो लाख इकाइयों की बढ़त बनाए हुए है। हीरो मोटोकॉर्प 100 सीसी, 125 सीसी, स्कूटर और प्रीमियम सेगमेंट में विस्तार की योजना बना रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों की उपलब्धता बढ़ाने और हार्ले-डेविडसन के साथ साझेदारी जारी रखने की भी रणनीति है। साथ ही, प्रीमियम बिक्री आउटलेट (प्रेमिया स्टोर) की संख्या बढ़ाई जाएगी। वर्मा ने भरोसा जताया कि कंपनी 2025 में भी इस क्षेत्र में सबसे आगे रहेगी।

पुलर प्रीमियम हैचबैक आई20 का नया नाइट एडिशन पेश

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी पॉपुलर प्रीमियम हैचबैक आई20 का नया नाइट एडिशन पेश किया है। आई20 नाइट एडिशन के एक्सटीरियर में पूरी तरह ब्लैक थीम दी गई है। इसमें ब्लैक-आउट एलॉय व्हील्स, रूफ रेल्स, स्किड प्लेट्स, साइड सिल गार्निश, ओआरवीएमएस, रिपॉयर स्पॉइलर और मैट ब्लैक हुंडई लोगो शामिल है। इसके अलावा रेड ब्रेक कैलिपर्स, स्पोर्टी मेटल पैडल और खास नाइट लोगो इसे और आकर्षक बनाते हैं।

इंटीरियर की बात करें तो इसमें ऑल-ब्लैक अपहोल्स्ट्री के साथ पीतल जैसे इंसर्ट दिए गए हैं, जो इसे कॉन्ट्रास्टिंग टच देते हैं। यह एडिशन आई20 के स्पोर्ट्ज (ओ) और एस्टा (ओ) ट्रिम्स पर उपलब्ध है, जिनकी शुरुआती कीमत 9.15 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) है।

इसी थीम को आई20 एन लाइन के एन8 और एन10 वैरिएंट्स में भी जोड़ा गया है, जिनकी कीमत 11.43 लाख रुपए तक जाती है।

कार में 1.2-लीटर, 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 83 एचपी पावर और 115 एनएम टॉर्क देता है। यह इंजन 5-स्पीड मैनुअल और सीवीटी ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है। इसमें आइडल स्टॉप एंड गो (आईएसजी) तकनीक भी दी गई है।

हालांकि, कंपनी ने 1.0-लीटर टर्बो इंजन वाले वैरिएंट को बंद कर दिया है, जो पहले डीसीटी और आईएमटी ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध था। विशेषज्ञों का मानना है कि नाइट एडिशन हुंडई आई20 के प्रीमियम सेगमेंट को और मजबूत करेगा और फेस्टिव सीजन में इसकी बिक्री में तेजी आएगी। कंपनी ने इस लिमिटेड एडिशन को खासतौर पर उन ग्राहकों के लिए उतारा है जो स्टाइलिश एक्सटीरियर और लग्जरी इंटीरियर को प्राथमिकता देते हैं।

सेबी से मिली क्लीन चिट के बाद अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग से जवाब मांगा

अदाणी ने हिंडनबर्ग से पूछा 150 अरब डॉलर के नुकसान का जिम्मेदार कौन?

नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा अदाणी समूह को क्लीन चिट दिए जाने के बाद अब समूह ने अमेरिकी शॉर्ट-सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च से निवेशकों को हुए नुकसान की जवाबदेही तय करने की मांग की है। एक वरिष्ठ सूत्र के अनुसार जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अदाणी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी, जिससे करीब 150 अरब डॉलर की शेयरधारकों की संपत्ति मिट गई थी। अब जबकि सेबी ने समूह पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया है, अदाणी ग्रुप का कहना है कि आम निवेशकों को हुए इस नुकसान के लिए हिंडनबर्ग को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। सेबी की हालिया जांच में बताया गया कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जिन लोन और ट्रांजैक्शनों को संदिग्ध बताया गया था, वे नियमों के अनुरूप और चुकता किए गए थे। साथ ही समूह के प्रमोटरों ने समय रहते कर्ज चुकाकर बाजार में स्थिरता बनाए रखी। हिंडनबर्ग ने उस समय शेयरों में गिरावट से शॉर्ट-सेलिंग के जरिए बड़ा लाभ कमाया था। हालांकि, 2025 में हिंडनबर्ग ने अपनी गतिविधियां बंद कर दीं, जिससे जवाबदेही तय करना जटिल हो गया है। इस साल जुलाई में सेबी ने हिंडनबर्ग और इससे जुड़े अन्य पक्षों को कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसमें अंदरूनी जानकारी के दुरुपयोग और साजिश के आरोप लगाए गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशिया कप सुपर फोर में आज होगा श्रीलंका और पाकिस्तान का मुकाबला

अबुधाबी (एजेंसी)। श्रीलंका और पाकिस्तान की टीम मंगलवार को सुपर 4 चरण में आमने-सामने होगी। दोनो ही टीमें सुपर फोर के अपने पहले की मैच में हार गयीं थी। ऐसे में दोनो का लक्ष्य इस मैच को जीतकर फाइनल की दौड़ में बने रहना होगा। गत विजेता श्रीलंकाई टीम ग्रुप चरण में एक भी मैच नहीं हारी थी पर सुपर फोर में उसे बांग्लादेश से एक रोमांचक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इससे टी20 एशिया कप में उसके आठ मैचों के विजय अभियान को झटका लगा जिससे अब वह उबरना चाहेगी हालांकि इस मैच में वह जीत की प्रबल दावोदार मानी जा रही है क्योंकि पाक टीम का प्रदर्शन अब तक काफी खराब रहा है।

पाक टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उसे लीग स्तर के बाद सुपर फोर में भी भारतीय टीम ने आसानी से हरा दिया। ये दोनो ही मुकाबले एकतरफा रहे और पाक बल्लेबाज व गेंदबाज कोई भी प्रभाव नहीं छोड़ पाये। इससे वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। अभी सुपर फोर में भारत और बांग्लादेश के दो अंक है पर बेहतर रनरेट के आधार पर भारतीय टीम पहले और बांग्लादेश दूसरे, श्रीलंका तीसरे व पाक चौथे नंबर पर है।

अब पाक टीम को टूर्नोमेंट में बने रहने के लिए श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करनी होगी। पाकिस्तानी टीम को अब हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं होगा क्योंकि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक असफल रहे हैं। गेंदबाजी की बात करें तो उसके लेग स्पिनर अबरार अहमद केवल ओमान और यूएई जैसी टीमों के खिलाफ ही सफल रहे और भारतीय बल्लेबाजों ने उन्हें जमकर पीटा।

दूसरी ओर श्रीलंका की बात करें तो उसका मध्यक्रम कमजोर है। दासुन शनाका ने बांग्लादेश के खिलाफ पांचवें नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी की परन्तु ग्रुप चरण में लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले पाथुम निसांका लय हासिल नहीं कर पाये हैं हालांकि कुसल मेंडिस और कामिल मिशारा अच्छे फॉर्म में है और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचा सकते हैं। गेंदबाजी में उसके तेज गेंदबाज नुवान तुषारा ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और उनका सामना करना पाक बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। इसके अलावा रहस्यमयी स्पिनर वानिंदु हसरंगा भी पाक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे। हसरंगा ने अब तक इस टूर्नोमेंट में छह विकेट लिए हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पाकिस्तान – सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मोकिम।

श्रीलंका – चरित असलंका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, जेनिथ लियानगे, चमिका करुणारत्ने, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

23 और 24 सितंबर को वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन करेगी बीसीसीआई : सैकिया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन 23 या 23 सितंबर को किया जाएगा। इसी के साथ ही भारतीय टीम का घरेलू सत्र शुरु होगा। पहला टेस्ट 2 अक्टूबर से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के तहत ये भारतीय टीम की पहली घरेलू सीरीज होगी। भारतीय टीम ने 2025-27 चक्र की शुरुआत शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से की थी जो 2-2 से बराबरी पर रही थी। सैकिया ने कहा कि वेस्टइंडीज सीरीज के लिए ऑनलाइन बैठक में टीम पर फैसला होगा।

सैकिया ने कहा, वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन 23 या 24 सितंबर को होगा। चयन बैठक ऑनलाइन होगी। भारत और वेस्टइंडीज की टीम के बीच दूसरा टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं ये सीरीज न चेज की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज टीम के लिए भी नए आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में जून-जुलाई 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद दूसरी सीरीज है। इस सीरीज के लिए वेस्टइडीज ने बाएं हाथ के स्पिनर खैरी पियरे को पहली बार टीम में शामिल किया है। टीम में तेगनारायण चंद्रपॉल और एलिक अथानाजे को भी जगह मिली है।

क्विंटन डि कॉक ने संन्यास से वापसी का फैसला लिया, इस एशियाई टीम के खिलाफ खेलेंगे पहला मैच

केप टाउन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने का अपना फैसले वापस ले लिया है और चयनकर्ताओं उन्हें पाकिस्तान दौरे के लिए एकदिवसीय और टी-20 टीमों में शामिल किया गया है। इसके साथ ही वह नामीबिया के साथ एकमात्र टी20 मैच भी खेलेंगे।

डी कॉक ने 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के बाद 50 ओवर के क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, और दक्षिण अफ्रीका के लिए उनका आखिरी सीमित ओवरों का मैच बारबाडोस में 2024 का टी-20 विश्व कप फाइनल था। हालांकि उन्होंने आधिकारिक तौर पर टी-20 से संन्यास नहीं लिया। इस बीच वह हाल ही में समाप्त हुई सीपीएल सहित दुनिया भर की टी-20 लीगों में सक्रिय रहे हैं।

वर्तमान मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने डी कॉक के साथ चर्चा की है और कहा है कि उन्होंने फिर से राष्ट्रीय टीम के लिए प्रतिबद्धता जताई है। कॉनराड ने कहा, 'क्विंटन की सफेद गेंद वाली टीम में वापसी हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। जब हमने पिछले महीने उनके भविष्य के बारे में बात की थी, तो यह स्पष्ट था कि उनमें अभी भी अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की तीव्र महत्वाकांक्षा है। हर कोई जानता है कि वह टीम में क्या गुण लाते हैं और उनकी वापसी से टीम को ही फायदा होगा।' अपने एकदिवसीय संन्यास के समय डी कॉक ने संकेत दिया था कि 2027 में दक्षिण अफ्रीका के घरेलू विश्व कप को देखते हुए, उन्हें वापसी के लिए मना लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस समय मुझे ऐसा होता नहीं दिख रहा है। लेकिन आप कभी नहीं जानते। जिदगी में अजीबोगरीब चीजे होती हैं। यह एक संभावना हो सकती है, लेकिन मुझे नहीं लगता।

पाक बल्लेबाज फरहान ने बंदूक की तरह बल्ले को लहराया , भारतीय प्रशंसक भड़के

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप के सुपर फोर मैच में भी पाकिस्तान को भारतीय क्रिकेट टीम के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पाक बल्लेबाज फरहान ने अर्धशतक पूरा करने के बाद उसे बंदूक की तरफ लहराया जिससे विवाद को गया। इसका एक विडियो भी आया है, इससे पता चलता है कि पाक टीम की सोच कैसी है। पाक में बंदूके मिलना आसान है और देश भर में आतंकी खुलेआम घूमते रहते हैं। यही कारण है कि खेल में भी बंदूक के अंदाज में खिलाड़ी जश्न मना रहे हैं। बहरहाल फरहान की इस शर्मनाक हरकत की प्रशंसकों ने कड़ी आलोचना की है। जैसे ही फरहान का जश्न का अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। उनकी आलोचना शुरु हो गयी। लोगों के अनुसार फरहान ने इस प्रकार का जश्न मना कर भारतीय टीम और प्रशंसकों को चिढ़ाया है।

फरहान के ऐसे आक्रामक जश्न से साफ है कि पाक में लोगों को लोगों को आतंकवाद ही पाठ पढ़ाया जाता है।

पाक ने खेल के मैदान में भी नफरत और दुश्मनी का माहौल बना दिया है। फरहान का बल्ला जब बंदूक की तरह लहराया, तो सभी ने साफ देख लिया कि पाक खिलाड़ी भी आतंकी मानसिकता से भरे हैं, जो उनके यहां आम बात है। खेल के मैदान में पिटने के बाद भी वह आतंकी चेहरा दिखाने से बाज नहीं आते। यही कारण है कि फरहान ने बल्ले बो बंदूक की तरह लहराया।

ये तब होता है देश मे आतंकवाद का माहौल और संस्कृति हो। इसी कारण आतंकियों को पनाह देने वाले पाक खिलाड़ी भी खेल के मैदान में आतंकी सोच का प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे खेल में पाक लगातार पीछे जा रहा है। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के कप?तान सूर्यकुमार यादव ने लीग मैच में मिली जीत सेना और पहलगाम हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को समर्पित की थी। भारतीय टीम ने पहले मैच की तरह ही सुपर फोर के मुकाबले में भी पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया और न ही उनसे किसी भी प्रकार का संपर्क किया।

हरभजन ने पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री के साथ दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया

कोलकाता । पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कोलकाता में एक दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया है। हरभजन ने पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री अरूप विश्वास के साथ मिलकर अशोक नगर इलाके के एक दुर्गा उत्सव पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हरभजन ने मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कोलकाता के लोगों के प्यार एवं सम्मान के लिए आभार जताया। उद्घाटन समारोह हरभजन ने कहा, सबसे पहले मैं मां दुर्गा का प्रणाम करते हुए जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचाया। खेल मंत्री अरूप विश्वास के इस प्रकार सम्मान देने के लिए मैं उनका धन्यवाद देता हूं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैं यहां आया। कोलकाता में मुझे हमेशा बहुत प्यार मिलता है। मैं यही कामना करता हूं कि मां दुर्गा सब पर अपनी कृपा बनाए रखें और सभी खुश रहें। हरभजन ने दुर्गा पूजा के महत्व को लेकर कहा, दुर्गा पूजा एक ऐसा उत्सव है, जिसका हम सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है। मां दुर्गा की पूजा हर जगह होती है पर कोलकाता में इसे एक भव्य त्योहार के रूप में मनाया जाता है। यह मां का आशीर्वाद है कि मैं आज यहां मौजूद हूं। हरभजन सिंह ने दादा के नाम से लोकप्रिय पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल होने पर कहा, गांगुली मेरे लिए बड़े भाई जैसे हैं। जीवन में एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो कठिन वक्त में आपका साथ देता है और आपके हाथ को थामता है। मेरे लिए दादा वही व्यक्ति हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं और उनकी जीत की कामना करता हूं।

बांग्लादेश की टीम अब भारत के खिलाफ खेलने के लिए तैयार

दुबई । बांग्लादेश की टीम एशिया कप 2025 के सुपर–4 मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ मिली जीत से उत्साहित है। श्रीलंका के खिलाफ मैच विजेता पारी खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का कहना है कि अब उनका ध्यान भारत के खिलाफ 24 सितंबर को होने वाले मैच पर रहेगा। इसके बाद उसे 25 सितंबर को सितंबर को पाकिस्तान से खेलना है। बांग्लादेश ने श्रीलंका को एक गेंद शेष रहते चार विकेट से हराया जिसके बाद से ही टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। सैफ के अनुसार उनकी टीम को फाइनल में पहुंचने का भरोसा है। साथ ही कहा कि टीम यूएई यह मानकर ही पहुंची थी। सैफ ने कहा, हां, बिल्कुल, हमें फाइनल में पहुंचने का पूरा भरोसा है, यहां आने से पहले, सभी को भरोसा था कि हम फाइनल खेलेंगे। अब हम एक कदम आगे हैं और अभी हमारे लिए दो मैच और बाकी हैं, और हमारा अगला ध्यान सिर्फ अगले मैच पर है।

शोएब अख्तर ने पाक टीम को जमकर फटकार लगायी, 200 रन बनाते तो भी हारते

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एशिया कप में भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार पर पाक टीम को जमकर फटकार लगायी है। अख्तर ने कहा कि पाक टीम अगर 200 रन भी बना लेती तो भी हारती। अख्तर ने सुपर 4 में भारतीय टीम के हाथों पाकिस्तान की छह विकेट से करारी पर कहा कि जिस प्रकार से गेंदबाजी करारी गयी उससे तो हारना तय था। इस मैच में पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए साहिबजादा फरहान के अर्धशतक की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 171 रन बनाए थे। इस लक्ष्य को भारतीय टीम ने 19 वें ओवर में ही चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। पाक टीम को लगा था कि 171 रन काफी हैं पर भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने आक्रामक बल्लेबाजी कर मैच उनके हाथ से छीन लिया। इन दोनो की 105 रन की शुरुआती साझेदारी से भारतीय टीम ने 18.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। अख्तर ने कहा अगर इस टीम के पास 200 रन होते तो उसको भी उसके गेंदबाज उसका बचाव नहीं कर पाते। डिफेंड नहीं कर पाते. अख्तर ने मैच के बाद एक टीम को आड़े हाथों लिया और कहा, 卐अगर फहीम से ही गेंदबाजी करानी थी तो नई गेंद से कराना चाहिये था। सैम अयूब की जगह उनको बुलाते तो शायद लाभ मिलता। अबरार मुख्य गेंदबाज था पर उससे पहले पार्ट टाइम गेंदबाज अयूब आ रहा है। साथ ही कहा कि आपकी गेंदबाजी लाइन अप बेहद खराब थी।

भारत ने 24 घंटे के अंदर पाकिस्तान को दूसरी बार हराया, दर्ज की शानदार जीत

स्पोर्ट्स डेस्क । भारत और पाकिस्तान की खेलों की दुनिया में प्रतिद्वंदिता किसी से छुपी नहीं है। चाहे क्रिकेट का मैदान हो या फुटबॉल का। एक तरफ दुबई में एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया, तो दूसरी तरफ श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन (ह्रस्न्न) अंडर-17 चैंपियनशिप में भारतीय युवा फुटबॉलरों ने पाकिस्तान पर 3-2 से जीत दर्ज की। इन दोनों जीत ने साबित कर दिया कि भारत हर मैदान पर पाकिस्तान पर भारी पड़ रहा है।

सोमवार 22 सितंबर को कोलंबो में खेले गए SAFF अंडर-17 चैंपियनशिप के ग्रुप बी मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 3-2 से हराकर अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया। मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने आक्रामक रवैया दिखाया। 31वें मिनट में डलालमुओं गंगटे ने गोल दागकर टीम इंडिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि पाकिस्तान ने 43वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

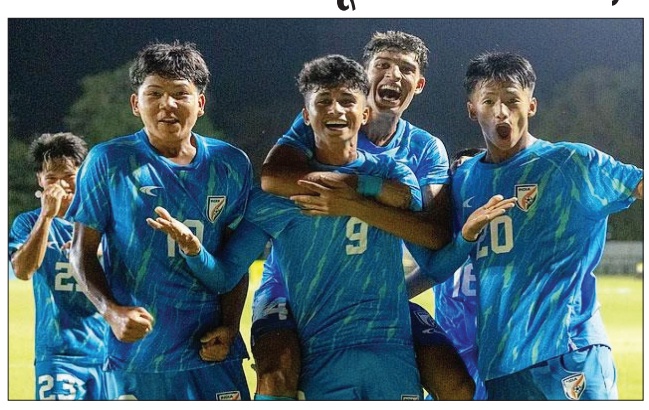

दूसरे हाफ में भारत ने एक बार फिर बढ़त बनाई। 63वें मिनट में गुनलीबा वांगखेराकपम ने शानदार गोल किया और स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन पाकिस्तान ने हार मानने के बजाय फिर वापसी की और 70वें मिनट में हमजा यासिर ने गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। पाकिस्तान की यह खुशी ज्यादा देर तक कायम नहीं रही। केवल 3 मिनट बाद ही 73वें मिनट में रेहान अहमद ने भारत के लिए तीसरा गोल दाग दिया और टीम को 3-2 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन डिफेंस खेलते हुए पाकिस्तान को बराबरी का मौका नहीं दिया।

पूरे 90 मिनट के खेल के बाद भारतीय टीम विजेता बनी और तीनों ग्रुप मैच जीतकर शीर्ष पर रही। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है जहां उसका सामना नेपाल से होगा। वहीं पाकिस्तान की टीम हार के बावजूद सेमीफाइनल में पहुंच गई है और उसका मुकाबला बांग्लादेश से होगा।

भारत की यह जीत खास इसलिए भी है क्योंकि SAFF अंडर-17 चैंपियनशिप में उसका प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा है। टीम इंडिया अब तक सबसे ज्यादा 6 बार यह खिताब जीत चुकी है और मौजूदा चैंपियन भी है। पाकिस्तान जहां केवल एक बार ही चैंपियन बना है, वहीं भारत अब 7वीं बार खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ा है।

राशिद ने सलमान की कप्तानी पर सवाल उठाये

लाहौर । पाकिस्तान की टीम के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने सुपर फोर में भारतीय टीम के खिलाफ मिली हार के के बाद कप्तान सलमान अली आगा की जमकर आलोचना करते हुए उनकी कप्तानी पर ही सवाल उठा दिये। पाक टीम को लीग मैच में सात जबकि सुपर फोर में छह विकेट से हार मिली है। एशिया कप 2025 में ये पाकिस्तान की लगातार दूसरी हार है। पाक को पिछले सात मैचों में भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। लतीफ ने कहा है कि इस मैच में हमारी बल्लेबाजी लचर थी। टीम बीच के ओवरों में 37 गेंदों तक एक भी चौका तक नहीं लगा पायी। लतीफ ने कहा, पाकिस्तान शुरुआत में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था पर अचानक से स्थिति खराब कैसे हो गई? उसने आक्रामक होने के प्रयास किये बिना ही हार मान ली। टीम ने बीच के ओवरों में आक्रमण करने की कोशिश क्यों नहीं की, ये समझ से परे है। सैम अयूब के आउट होने तक मैच पाक के हाथ में था पर चौथे नंबर पर उतरे हुसैन तलत ने साहिबजादा फरहान के साथ 17 गेंदों में केवल 17 रन की बनाये जिससे मैच में टीम पिछड़ गयी।

जोहोर कप : भारतीय जूनियर टीम की कप्तानी करेंगे रोहित

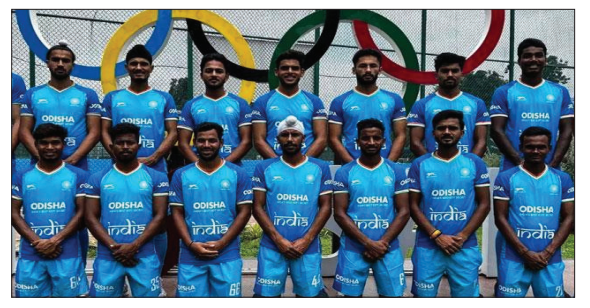

नयी दिल्ली। डिफेंडर रोहित मलेशिया में हो रहे सुल्तान जोहोर कप टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगे और उनका लक्ष्य पिछली बार के कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट 11 अक्टूबर से शुरू होकर 18 अक्टूबर को खत्म होगा और यह 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के लिए अहम होगा। भारत को 11 अक्टूबर को ब्रिटेन से खेलना है जबकि 12 अक्टूबर को सामना न्यूजीलैंड से होगा। भारत और पाकिस्तान का सामना 14 अक्टूबर को होगा जबकि आस्ट्रेलिया से 15 अक्टूबर को मैच है। राउंड रॉबिन चरण में आखिरी मैच 17 अक्टूबर को मलेशिया से खेलना है। राउंड रॉबिन चरण से शीर्ष दो टीमें 18 अक्टूबर को फाइनल खेलेंगी। भारत के कोच पी आर श्रीजेश ने कहा, 'टीम सुल्तान जोहोर कप की अच्छी तैयारी कर रही है। हमारे पास अच्छी टीम है और जूनियर विश्व कप को देखते हुए यह तैयारी का अच्छा मौका होगा जिसमें मजबूत टीमों के खिलाफ खुद को आंक सकेंगे।'

टीम – गोलकीपर : ब्रिकमजीत सिंह, प्रिंसदीप सिंह

डिफेंडर : रोहित (कप्तान), तालेम प्रियब्रत, अनमोल इक्का, आमिर अली, सुनील पीबी, रवनीत सिंह

मिडफील्डर : अंकित पाल, टी इंगेलम्बा लुवांग, अद्रोहित इक्का, अराइजीत सिंह हुंडल, रोशन कुजूर , मनमीत सिंह

फॉरवर्ड : अर्शदीप सिंह, सौरभ आनंद कुशवाहा, अजीत यादव, गुरजोत सिंह

स्टैंडबाय : विवेक लाकड़ा, शारदानंद तिवारी, टी किंगसन सिंह, रोहित कुल्लू, दिलराज सिंह।

'वह क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचाने जा रहा है', अश्विन ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद इस खिलाड़ी की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ अभिषेक शर्मा की शानदार पारी ने पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन और केविन पीटरसन को आश्चर्यचकित कर दिया। भारतीय ऑफ स्पिनर ने तो यहां तक कह दिया है कि यह युवा खिलाड़ी 'भारत के लिए सीमित ओवरों के क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक' बन जाएगा। अभिषेक की 39 गेंद पर 74 रन की ताबड़तोड़ पारी से भारत ने रविवार को एशिया कप के सुपर चार चरण के मुकाबले में पाकिस्तान को आसानी से छह विकेट से मात दी। अभिषेक ने इस पारी में धैर्य और आक्रमण का शानदार मिश्रण दिखाते हुए कमाल के शॉट लगाए।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह अभिषेक शर्मा का आगमन नहीं है। यह तो बस शुरुआत है। उसने अभी-अभी शुरू किया है और उसका भविष्य बहुत लंबा है। वह क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचाने जा रहा है।' अश्विन ने 23 साल के अभिषेक की तारीफ करते हुए कहा कि वह अपने गुरु युवराज सिंह की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, 'यह बात लिख लीजिए। उनमें बहुत क्षमता है। जिस तरह से युवराज सिंह सीमित ओवरों में भारत के लिए सबसे शानदार खिलाड़ियों में से एक रहे हैं अभिषेक के पास भी सीमित ओवरों के प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनने की क्षमता है। वह उस स्तर तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मुझे लगता है कि वह युवराज की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। वह एक अद्भुत प्रतिभा हैं।'

अभिषेक की पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे, लेकिन अश्विन के लिए उनके शॉट लगाने की कलात्मकता सबसे अलग थी। इस खब्बू बल्लेबाज ने पारी के आठवें ओवर में सईम अयूब के खिलाफ महान महेंद्र सिंह धोनी के अंदाज में 'हेलीकॉप्टर शॉट' जैसे स्ट्रोक के साथ चौका जड़ा। अश्विन ने कहा, 'अभिषेक शर्मा ने धोनी की तरह हेलीकॉप्टर कवर ड्राइव मारा। हर कोई उनके पांच छक्कों की बात करेगा, लेकिन मैं इस कवर ड्राइव के बारे में बात करना चाहता हूं, क्योंकि यह काफी दिलकश शॉट था।'

अभिषेक ने अपने बचपन के दोस्त शुभमन गिल के साथ 105 रन की साझेदारी कर भारत की जीत की नींव रखी। वह टूर्नामेंट के मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा (173) रन बनाने वाले बल्लेबाज है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भी अभिषेक के कसीदे गढ़े। पीटरसन ने 'एक्स' पर लिखा, 'अभिषेक शर्मा अलग स्तर का खिलाड़ी है। वह ऐसा खिलाड़ी है जो कभी-कभी असफल होगा और ऐसे शॉट पर आउट होगा जिसकी काफी आलोचना होगी। वह अपने करियर में लाखों लोगों के चेहरों पर मुस्कान और खुशी लाएंगा क्योंकि वह दुनिया भर के गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से रन बटोरेगा। उनकी आंखें में रनों की भूख दिखती है। दोस्त, इस तेवर को बनाए रखो।'

मैकमिलन के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास कर रही न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम

चेन्नई । न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में शुरु हो रहे विश्वकप में कोच क्रेग मैकमिलन के मार्गदर्शन में उतरेगी। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास में लगी है। भारतीय हालातों के अनुकूल ढ़लने के लिए टीम पहले ही यहां पहुंच गयी थी। मैकमिलन को बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण बनाये जाने से भी टीम में उत्साह है। नई भूमिका के तहत मैकमिलन का काम महिला टीम को बेहतर बनाना रहेगा। इस बीच वह कमेंट्री और अन्य प्रतिबद्धताओं से दूर रहेंगे। क्रेग इससे पहले पार्ट–टाइम करार पर कोच थे पर अब उन्हें पूरे समय के लिए कोच बनाया गया है। मैकमिलन साल 2024 में यूएई में हुए आईसीसी टी20 विश्व कप की खिताबी जीत के समय भी टीम के साथ थे। मैकमिलन ने कहा, इस भूमिका में होना मेरे लिए बेहद खास है। महिला क्रिकेट लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा, पिछला साल बहुत जल्दी बीत गया। मुझे उस टीम का हिस्सा होने का हर पल बहुत अच्छा लगा, जो लगातार बेहतर होती जा रही है, टीम एक–दूसरे को चुनौती देती है और विश्व मंच पर खास प्रदर्शन करती है। मैकमिलन ने बताया कि विश्व कप को लेकर न्यूजीलैंड की तैयारियां जोरों पर हैं। चेन्नई में ट्रेनिंग कैंप में भी टीम के खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या आप भी बार- बार करवाते हैं फेस क्लीन-अप ? तो जानिए इसके फायदे हैं या नुकसान

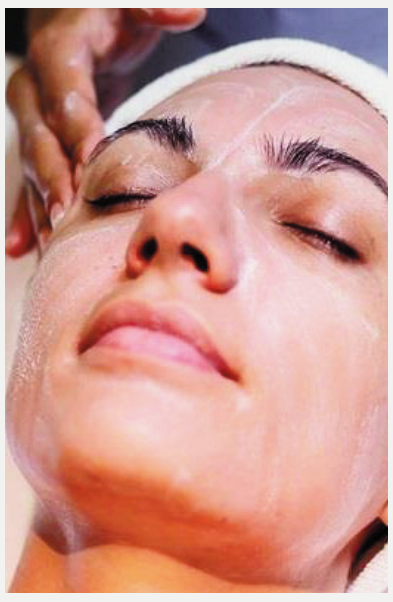

आजकल फेस क्लीन-अप स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा बन गया है। कई लोग इसे हर महीने करवाते हैं ताकि चेहरा साफ और ग्लोइंग बना रहे। लेकिन बहुत से लोगों के मन में यह सवाल होता है कि क्या सचमुच मासिक फेस क्लीन-अप सुरक्षित हैं नहीं? चलिए जानते हैं इस सवाल का जवाब।

फेस क्लीन-अप क्या है?

फेस क्लीन-अप एक स्किन ट्रीटमेंट है जिसमें चेहरे की गहराई तक सफाई की जाती है। इसमें क्लींजिंग, स्क्रबिंग, स्टीम, ब्लैकहेड/व्हाइटहेड रिमूवल और फेस पैक लगाया जाता है। यह फेशियल से हल्का और कम समय लेने वाला होता है।

मासिक फेस क्लीन-अप के फायदे

गहराई से सफाई- इससे धूल, मिट्टी, पसीना और ऑयल के कारण जमी गंदगी हटती है।

एक्ने और ब्लैकहेड्स में राहत- इससे पोर्स साफ हो जाते हैं जिससे पिंपल्स कम होते हैं।

ग्लोइंग स्किन- डेड स्किन सेल्स हटने से चेहरा चमकने लगता है।

खून का संचार बेहतर- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्किन हेल्दी दिखती है।

कम खर्चीला- यह फेशियल से सस्ता और जल्दी हो जाने वाला प्रोसेस है।

किन बातों का ध्यान रखें?

संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को हर महीने क्लीन-अप करने से जलन, लालिमा या एलर्जी हो सकती है। बार-बार स्क्रबिंग या स्टीम लेने से ड्रायनेस और इरीटेशन हो सकती है। अगर किसी को एक्टिव एक्ने, रैशेज या स्किन डिजीज है तो पहले डॉक्टर या डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह लें। क्लीन-अप हमेशा साफ-सुथरे और प्रोफेशनल सैलून/क्लिनिक में ही करवाएं।

किसे कितनी बार करवाना चाहिए?

ऑयली या नॉर्मल स्किन वालों के लिए महीने में एक बार क्लीन-अप करवाना फायदेमंद है। ड्राय या सेंसिटिव स्किन के लिए 6-8 हफ्तों में एक बार ही पर्याप्त है। पिंपल्स/एलर्जी प्रोन स्किन वाले डॉक्टर की सलाह पर ही क्लीन-अप करवाएं। मासिक फेस क्लीन-अप ज्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित है, बशर्ते यह आपकी स्किन टाइप के हिसाब से और सही तरीके से किया जाए।

क्या आप भी रोज फाउंडेशन लगाते हैं?

आज के जमाने में मेकअप महिलाओं के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। खासकर फाउंडेशन का इस्तेमाल चेहरे की त्वचा को एक समान टोन देने, दाग-धब्बों और असमान रंगत को छुपाने के लिए किया जाता है। फाउंडेशन से चेहरे का लुक निखरता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना फाउंडेशन लगाने से आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंच सकता है? यह आर्टिकल उन खतरों को विस्तार से समझाएगा, जो फाउंडेशन के निरंतर उपयोग से हो सकते हैं, साथ ही इन नुकसान से बचने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी देगा।

फाउंडेशन क्या है और क्यों इस्तेमाल करते हैं?

फाउंडेशन एक प्रकार का मेकअप प्रोडक्ट है जो चेहरे की रंगत को एक समान बनाता है और त्वचा की खामियों को छुपाता है। यह कई तरह के फॉर्मूलों में आता है। लिक्विड, पाउडर, क्रीम या स्टिक के रूप में। फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य चेहरे को एकदम फ्रेश, स्मूथ और चमकदार बनाना होता है।

रोजाना फाउंडेशन लगाने के नुकसान

1. पोर क्लॉगिंग

फाउंडेशन में कई बार भारी क्रीम्स और केमिकल्स होते हैं जो आपकी त्वचा के पोर्स को बंद कर देते हैं। पोर्स बंद होने से त्वचा सांस नहीं ले पाती और इससे पिंपल्स, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स जैसी समस्याएं जन्म लेती हैं। अगर पोर्स लगातार बंद रहे तो त्वचा की स्वाभाविक सफाई में बाधा आती है।

2. त्वचा की सांस लेने की क्षमता कम होना

त्वचा भी एक जिंदा अंग है जिसे ऑक्सीजन की जरूरत होती है। जब आप रोजाना फाउंडेशन लगाते हैं, तो त्वचा की सतह पर एक परत जम जाती है जो ऑक्सीजन के प्रवेश को रोकती है। इससे त्वचा का नेचुरल ग्लो कम हो जाता है और आपकी त्वचा दम तोड़ने लगती है।

3. त्वचा की जलन और एलर्जी

फाउंडेशन में मौजूद केमिकल्स, परफ्यूम और प्रिजर्वेटिव्स कई बार त्वचा के लिए एलर्जी पैदा कर सकते हैं। खासकर संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को फाउंडेशन से रैशेस, खुजली और सूजन जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस लिए रोज- रोज फाउंडेशन नहीं लगाना चाहिए।

4. त्वचा का रूखा होना

कई फाउंडेशन त्वचा से नमी सोख लेते हैं जिससे त्वचा रूखी, खुरदरी और बेजान दिखने लगती है। सूखी त्वचा पर फाउंडेशन ठीक से नहीं लगता, जिससे मेकअप का लुक भी खराब होता है।

5. त्वचा की उम्र जल्दी बढ़ना

फाउंडेशन में मौजूद कुछ हार्श केमिकल्स त्वचा के प्राकृतिक कोलेजन और इलास्टिन को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे त्वचा जल्दी बुढ़ाने लगती है और झुर्रियों, लाइनें पड़ने लगती हैं।

6. धूप से नुकसान और टैनिंग

अधिकतर फाउंडेशन में पर्याप्त सुरक्षा नहीं होता, जिससे त्वचा सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से सुरक्षित नहीं रहती। इसके कारण त्वचा टैनिंग, डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों का शिकार हो सकती है।

7. त्वचा में बैक्टीरिया का विकास

रोजाना मेकअप के कारण त्वचा की सफाई ठीक से न हो पाये तो त्वचा में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इससे चेहरे पर फोड़े-फुंसी, संक्रमण और सूजन की समस्या हो सकती है।

फाउंडेशन लगाने से होने वाले और भी संभावित नुकसान

मुंहासे की समस्या बढ़ना : क्लॉग्ड पोर्स और त्वचा पर जमा मैल मुंहासे को बढ़ावा देते हैं।

त्वचा का रंग फीका पड़ना- लगातार केमिकल्स के संपर्क में रहने से त्वचा का प्राकृतिक रंग फीका पड़ सकता है।

त्वचा की संवेदनशीलता बढ़ना: केमिकल प्रोडक्ट्स की वजह से त्वचा और अधिक संवेदनशील हो जाती है और पर्यावरणीय कारकों का असर ज्यादा होता है।

फाउंडेशन लगाने से बचने और त्वचा को स्वस्थ रखने के टिप्स

1. हर दिन मेकअप हटाएं : रोजाना फाउंडेशन लगाने के बाद रात को सही तरीके से मेकअप हटाना बहुत जरूरी है। मेकअप रिमूवर या क्लीनिंग ऑयल का इस्तेमाल करें और चेहरे को गुनगुने पानी से धोएं। इससे पोर्स खुलेंगे और त्वचा सांस ले सकेगी।

2. हल्का फाउंडेशन या बी.बी. क्रीम चुनें - रोजाना के इस्तेमाल के लिए भारी और मोटे फॉर्मूले वाले फाउंडेशन की जगह हल्का, ऑयल फ्री और स्किन फ्रेंडली बी.बी. क्रीम या टिंटेड मॉइस्चराइजर का चयन करें।

3. मॉइस्चराइजर और प्राइमर जरूर लगाएं : फाउंडेशन लगाने से पहले त्वचा को मॉइस्चराइजर से हाइड्रेट करें। प्राइमर लगाने से फाउंडेशन की परत त्वचा पर अच्छी तरह चिपकती है और मेकअप ज्यादा समय तक टिकता है।

4. साप्ताहिक स्किन केयर रूटीन अपनाएं : हफ्ते में एक या दो बार एक्सफोलिएशन और डीप क्लीनिंग करें ताकि मृत त्वचा की परत हटे और पोर्स साफ़ रहें। जिससे चेहरा चमकने लगे।

5. सनस्क्रीन का उपयोग करें : फाउंडेशन के ऊपर भी एक अच्छा एसपीएफ वाला सनस्क्रीन लगाना न भूलें। यह त्वचा को यूवी किरणों से बचाता है और टैनिंग से रोकता है।

6. त्वचा को आराम दें : सप्ताह में कम से कम एक या दो दिन बिना फाउंडेशन के बिताएं ताकि त्वचा को सांस लेने का मौका मिले और वह पुन: स्वस्थ हो सके।

7. नेचुरल और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स चुनें : जिन फाउंडेशन में हानिकारक केमिकल्स नहीं होते, वे आपकी त्वचा के लिए बेहतर होते हैं। ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से त्वचा को नुकसान कम होता है और नैचुरल ग्लो भी मिलता है।

फाउंडेशन का सही इस्तेमाल आपकी खूबसूरती को निखार सकता है, लेकिन इसका रोजाना और अधिक इस्तेमाल आपकी त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। पिंपल्स, ड्राईनेस, एलर्जी, और बुढ़ापा जैसे कई नुकसान फाउंडेशन के गलत और ज्यादा इस्तेमाल से हो सकते हैं। इसलिए मेकअप के साथ-साथ अपनी त्वचा की देखभाल पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है। सही प्रोडक्ट चुनें, नियमित रूप से त्वचा की सफाई करें, और त्वचा को आराम भी दें।

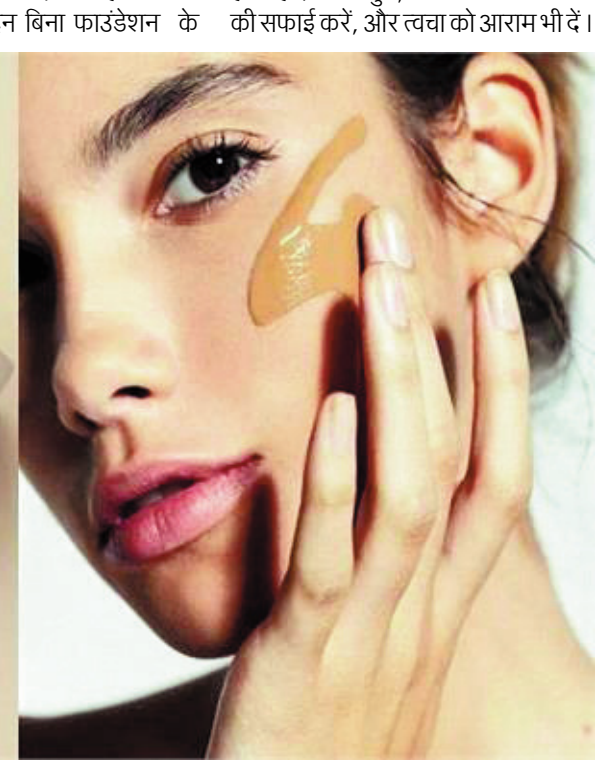

कम बजट और कम समय में घर की सजावट

आज के समय में लोग अपने घर के इंटीरियर को खूबसूरत लुक देने के लिए कई तरह के प्रयोग करते हैं. कई तरह की थीम का चुनाव कर आकर्षक बनाते हैं. जिसमें अच्छा खासा पैसा भी खर्च किया जाता है. इंटीरियर आज के समय की मांग है जिसे ज्यादातर लोग करवाना पसंद करते हैं. बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो अपने घर का इंटीरियर लुक बदलना तो चाहते हैं लेकिन उनके पास इसके लिए अच्छा बजट नहीं होता या फिर समय की कमी होती है. यदि आप भी कम खर्च और कम समय में अपने घर को सुन्दर बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने की जरुरत नहीं है. हम आपको बताते हैं कि किस तरह आप कम खर्च और कम समय में अपने घर को एक आकर्षक लुक दे सकते हैं.

रंग/प्रकार के आधार पर समूह बनाएं

रंग/प्रकार सभी घर की सजावट के विचारों के लिए एक महत्वपूर्ण विचार है। क्यूरियोस को अलग दिखाने के लिए, उन्हें घर के चारों ओर बिखेरने के बजाय रंग के आधार पर समूहीकृत करने पर विचार करें। आप अपने घर में क्षेत्रों को परिभाषित करने के लिए सजावट की वस्तुओं को रंग, रूप या प्रकार के आधार पर समूहीकृत कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, भोजन क्षेत्र नीला हो सकता है, जबकि एक खुली मंजिल की योजना में रहने की जगह बरगंडी टोन लेती है। इसी तरह, आप लिविंग एरिया में फ्लोटिंग शेल्फ या कैबिनेट पर क्यूरियोस और डाइनिंग स्पेस या हॉलवे में प्राचीन वस्तुओं या संग्रहणीय वस्तुओं को प्रदर्शित कर सकते हैं।

खेल-खेल में पुन: उपयोग करें

आपको अपने घर को सजाने के लिए हमेशा नई चीजें खरीदने की ज़रूरत नहीं है। अपने पास जो कुछ भी है उसे देखें और सोचें कि उसे कैसे फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है। क्या कोई पुराना दरवाज़ा हेडबोर्ड बन सकता है? इसी तरह, एक टोकरी पेंडेंट लैंपशेड बन सकती है। अपने घर की सजावट को निजीकृत करने के लिए पुरानी चीज़ों को फिर से इस्तेमाल करने के बारे में सोचें।

मौसम के अनुसार खिड़कियों का ख्याल रखें

आप खिड़कियों को जिस तरह से सजाते हैं, वह आपके घर के बारे में बहुत कुछ बताता है। छत से लटके मुलायम पर्दे कमरे को रोमांटिक लुक देते हैं, जबकि वैलेंस एक ठाठ कॉटेज लुक को पूरा करते हैं। खिड़कियों के उपचार कार्यात्मक भी होते हैं – वे गोपनीयता बनाए रखते हैं और सूरज की रोशनी के प्रवाह को सीमित करते हैं। मौसम के साथ खिड़कियों के उपचार को बदलने से आपके घर का समग्र रूप बदल सकता है और एक आरामदायक इनडोर तापमान बनाए रखने में मदद मिल सकती है। इसलिए सूरज की रोशनी को अंदर आने देने वाले पर्दे सर्दियों के लिए आदर्श होते हैं जबकि भारी फर्श-लंबाई वाले पर्दे गर्मियों के मौसम के लिए उपयुक्त होते हैं।

बनावट में विविधता लाएं

जैसे आपके घर में अलग-अलग रंग होते हैं, वैसे ही आपको अलग-अलग बनावट की भी ज़रूरत होती है। अलग-अलग बनावट होने से गहराई पैदा होती है। कुछ बनावट, जैसे जूट और रेशम, स्पर्शनीय होती हैं। इसके विपरीत, अन्य, जैसे वॉलपेपर, दृश्य बनावट बनाते हैं। कभी-कभी, एक ही रंग के कपड़ों की अलग-अलग बनावट भी कमरे को ज़्यादा घर जैसा बना सकती है।

ऑफ-ग्रिड जाएं

ग्रिड एक आम होम डेकोर आइडिया है, लेकिन हम आपको यह बताने जा रहे हैं कि आपको हमेशा चीजों को सीधी रेखाओं में रखने की ज़रूरत नहीं है। जब आप गैलरी की दीवार बना रहे हों, तो इसे और अधिक ऑर्गेनिक लुक देने के लिए फ्रेम के आयामों और आकृतियों के साथ खेलें। इसी तरह, आप अपने फर्नीचर की व्यवस्था करते समय एक सुसंगत अपील प्रदान करने के लिए आसानी से और रचनात्मक रूप से विभिन्न कोणों के साथ खेल सकते हैं।

फर्नीचर और सजावट की वस्तुओं को इधर-उधर ले जाएं

किसी जगह का रूप बदलने का सबसे आसान तरीका है चीज़ों को इधर-उधर करना। अपने सोफ़े और आरामकुर्सियों की जगह बदलें। पतझड़ के मौसम के लिए एक बेंच को लिविंग रूम में ले जाएँ, और इसी तरह। सर्दियों में गलीचे और कालीन बिछाएँ ताकि एक आरामदायक लुक मिले। गर्मियों में हरियाली के लिए बड़े पौधे और फूलों के कलश लगाएँ।

एक स्टेटमेंट पीस लाएँ

चाहे वह दीवार पर लगी पेंटिंग हो, विंग चेयर की जोड़ी हो या झूमर, एक ऐसा डेकोर पीस ढूंढें जो आपकी पहचान को दर्शाता हो और उसे एक फोकल पीस के रूप में स्टाइल करें। जब आपके पास एक स्टेटमेंट पीस हो जो सभी का ध्यान आकर्षित करता हो, तो आप अपनी बाकी सजावट को जितना चाहें उतना कम रख सकते हैं।

रंगीन रोशनी का प्रयोग करें

अपने कमरे के लुक को बदलने के लिए अलग-अलग रंग के लाइट बल्ब का इस्तेमाल करें - दिन के लिए सफ़ेद लाइट और पार्टी के लिए गुलाबी? आज के स्मार्ट बल्ब आपको हर बार बल्ब बदले बिना अलग-अलग मूड के हिसाब से रंग बदलने देते हैं।

अपने संग्रह का प्रदर्शन करें

घर की सजावट के लिए संग्रहणीय वस्तुओं को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शन इकाईअपने घर की सजावट की शैली से अपने जुनून को दर्शाएं

अपने आसनों को परतदार बनायें

जब आपके घर में गर्माहट लाने की बात आती है तो गलीचे से बेहतर कुछ नहीं है। यह आलीशान लगता है। अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, अपने गलीचे को परत-दर-परत बिछाएँ। एक बड़ा, तटस्थ गलीचा आधार के रूप में अच्छा काम करता है। इसके साथ एक छोटे से विपरीत रंग का गलीचा बिछाएँ। आदर्श रूप से ऊपर का गलीचा नीचे वाले गलीचे के कम से कम 2/3 आयाम का होना चाहिए। अपने कीमती सीपों और छोटी कारों के संग्रह को बक्सों में बंद करके रखने के बजाय, उन्हें अपने घर में सजाएँ। इन संग्रहणीय वस्तुओं के लिए एक डिस्प्ले यूनिट बनाएँ; वे जल्द ही आपके सभी मेहमानों के लिए चर्चा का विषय बन जाएँगे।

अपने प्रवेश द्वार में जीवन जोड़ें

प्रवेश द्वार वह स्थान है जो आपके मेहमानों का स्वागत करता है। वह स्थान जो आपके घर के बारे में पहली छाप बनाने में मदद करता है। इसलिए, हमारा सुझाव है कि आप उस स्थान में थोड़ी जान डालें। अपने प्रवेश द्वार को दिलचस्प बनाने का एक आसान तरीका गमले में लगे पौधे या एक बड़ी दीवार का टुकड़ा लगाना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बक्सर-टाटा सुपरफास्ट ट्रेन की बोगी में अचानक आग... यात्री बोगियों से बाहर कूदे

जामताड़ा (एजेंसी)। झारखंड में बक्सर-टाटा सुपरफास्ट ट्रेन की एक बोगी में अचानक आग लग गई। घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया। ये घटना विद्यासागर और जामताड़ा स्टेशन के बीच कालाझरिया गांव के पास हुई। रेलवे के अनुसार, इंजन के बाद तीसरी बोगी से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। लोको पायलट ने तत्परता दिखाकर ट्रेन रोक दी। घटना से डरे यात्री बोगियों से बाहर कूदने लगे। हालांकि, किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई और कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। रेलवे स्टाफ ने फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग पर नियंत्रण पाया गया। शुरुआती जांच में यह पता चला कि आग बोगी के नीचे के अंडर गियर से उठी चिंगारी के कारण लगी। इसके बाद ट्रेन करीब 45 मिनट तक रुकी रही। उसके बाद स्थिति सामान्य होने पर फिर से रवाना कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में सीमा से सटे इलाकों में नजर आया संदिग्ध ड्रोन, सर्च अभियान तेज

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सीमा से सटे इलाकों में फिर ड्रोन घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं। इस इलाके में इस महीने चौथी बार ड्रोन देखा गया है। इस घटना के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने इलाके में सर्च अभियान तेज कर दिया है। बीएसएफ को शक है कि पाक ड्रोन ने या तो ड्रग्स या हथियारों की खेप सप्लाई की है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि जम्मू जिले के आरएस पुरा स्थित एक गाँव के पास अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब एक ड्रोन की गतिविधि देखने के बाद बीएसएफ ने तलाशी अभियान शुरू किया है। इस महीने में यह चौथी बार देखा गया ड्रोन, एक दिन पहले शाम करीब 7 बजे भारतीय सीमा में मंडराता हुआ देखा गया था। अधिकारियों को शक है कि संदिग्ध ड्रोन ने इस इलाके में या तो हथियार या फिर ड्रग्स की संभावित सप्लाई की है। हथियारों या नशीले पदार्थों की किसी भी संभावित हवाई गिरावट की संभावना को खारिज करने के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पांच दिन पहले भी सीमा सुरक्षा बलों ने संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान बीएसएफ के जवानों ने सीमा चौकी क्षेत्र में बाड़ के आगे एक एके-सीरीज़ की असॉल्ट राइफल और एक मैगज़ीन बरामद की थी। इससे पहले 13 सितंबर को भी राज्य पुलिस को शहर के बाहरी इलाके अखनूर में थर्मल पेलोड वाला एक ड्रोन मिला था। 6 सितंबर को भी सांबा जिले में एक सैन्य छावनी के ऊपर एक संदिग्ध ड्रोन देखे जाने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया था।

डबल लो प्रेशर बनने से ओडिशा में 23 से हो सकती है बारिश

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में डबल लो प्रेशर बनने की संभावना जताई है, जिससे ओडिशा में लगातार बारिश होने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक उत्तर अंडमान और म्यांमार तट से लगे क्षेत्र में चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके असर से पिछले 24 घंटों में उत्तरी बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर बनने की संभावना जताई गई है। इसी तरह 25 सितंबर को उत्तरी मध्य और उससे लगे उत्तरी बंगाल की खाड़ी में एक और लो प्रेशर विकसित होने की संभावना है। भारी आरिश को देखते हुए केंदुझर और मयूरभंज जिले के लिए येलो वार्निंग जारी की गई है। 24 सितंबर को बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, 25 सितंबर से ओडिशा में बारिश तेज हो सकती है। दूसरी ओर ओडिशा में पहले से ही चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है, जिसके कारण राज्य के कई हिस्सों में बारिश हो रही है। अनुमान है कि यह डिप्रेशन 29 सितंबर से छत्तीसगढ़ होते हुए नागपुर की ओर बढ़ेगा। 30 सितंबर के बाद मौसम शुष्क रह सकता है।

कार्यकर्ता कंकोणकर पर हमले का साजिशकर्ता हिस्ट्रीशीटर कार्डसो गिरफ्तार

पणजी (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने पिछले हफ्ते कार्यकर्ता रमा कंकोणकर पर हमले की साजिश रचने के आरोप में हिस्ट्रीशीटर जेनिटो कार्डसो को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी (उत्तर) ने बताया कि कंकोणकर पर हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए सात लोगों से पूछताछ में कार्डसो का नाम सामने आया था। पिछले हफ्ते पणजी के पास कारनजलेम में हुए हमले में कंकोणकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एसपी ने बताया कि कार्डसो के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं और शुरुआती जांच से पता चलता है कि अपराध के पीछे पुरानी रंजिश होने की आशंका है। कंकोणकर पर हमले के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया और कई सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने राज्य में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। बिहार में चुनाव प्रचार के बाद रविवार को गोवा लौटे सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि हमले में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कांगड़ा में बड़ा हादसा : कांग्रेस नेता के होटल में घुसा ट्रक, ड्राइवर घायल

कांगड़ा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के देहरा में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। दिल्ली नंबर का तेज रफ्तार ट्रक नियंत्रण खो बैठा और सीधे होटल हवेली के गेट को तोड़ते हुए रिसेप्शन तक जा घुसा। यह होटल कांग्रेस नेता एवं हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा का बताया जा रहा है। हादसा रात लगभग 12:45 बजे हुआ। ट्रक सामान से भरा हुआ था और टक्कर इतनी जोरदार थी कि होटल का गेट पूरी तरह टूट गया और दीवारों में भी दरारें पड़ गईं। इस हादसे में एक बाइक और कार को भी नुकसान पहुंचा। सबसे ज्यादा चोट ट्रक चालक को आई, जो टक्कर के बाद वाहन में ही फंस गया। उसे निकालने के लिए करीब ढाई घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। इलेक्ट्रिक कटर से ट्रक का हिस्सा काटकर ड्राइवर को बाहर निकाला गया और तुरंत देहरा अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

देश में जल्द शुरु हो सकती है एसआईआर प्रक्रिया

-चुनाव आयोग ने राज्यों को 30 सितंबर तक तैयार रहने दिए निर्देश

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने सभी राज्य चुनाव अधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए 30 सितंबर तक तैयार रहने का निर्देश दिया है। इससे संकेत मिलता है कि अगले महीने से पूरे देश में मतदाता सत्यापन और मतदाता सूची सुधार की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। अधिकारी बताते हैं कि अक्टूबर-नवंबर की शुरुआत में मतदाता सूची की सफाई का काम शुरू हो सकता है।

चुनाव आयोग के इस निर्देश से पहले, इस महीने की शुरुआत में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन में उन्हें अगले 10-15 दिनों में एसआईआर के लिए तैयार रहने की सूचना दी गई थी। स्पष्टता के लिए अब 30 सितंबर की समय सीमा तय की गई है। राज्यों के सीईओ को कहा गया है कि वे अपनी मतदाता सूचियां तैयार रखें। अधिकांश राज्यों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित वोटर लिस्ट अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी है। उदाहरण के लिए, दिल्ली की वेबसाइट पर 2008 की और उत्तराखंड की वेबसाइट पर 2006 की मतदाता सूची उपलब्ध है।

चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार के बाद पूरे देश में एसआईआर लागू किया जाएगा। अधिकांश राज्यों में अंतिम एसआईआर 2002 और 2004 के बीच हुई थी। पिछले गहन पुनरीक्षण के अनुसार वर्तमान मतदाताओं का मिलान लगभग पूरा हो चुका है। विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य जन्म स्थान की जांच कर विदेशी अवैध प्रवासियों को सूची से बाहर करना है। यह कदम विशेष रूप से उन राज्यों में महत्वपूर्ण है जहां बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध प्रवासियों की समस्या रही है।

आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर यह प्रक्रिया असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले चुनावों के लिए भी अहम होगी। चुनाव आयोग का कहना है कि इस गहन पुनरीक्षण से मतदाता सूची की पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी।

चावल और चीनी लेकर सोमालिया जा रहे जहाज में सुभाषनगर जेटी पर लगी आग

पोरबंदर (एजेंसी)। गुजरात के जामनगर से चावल और चीनी लेकर जा रहे एक मालवाहक जहाज में सुभाषनगर जेटी पर आग लग गई। सोमालिया के बोसासो जा रहे जहाज में आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना पाते ही दमकलकर्मी तीन गाड़ियों मौके पर पहुंची। चूंकि आग तेजी से बढ़ रही थी, इसलिए जहाज को और अधिक नुकसान से बचाने के लिए खुले पानी में खींच लिया गया। जामनगर की एचआरएम एंड संस की ओर से संचालित जहाज का नाम हरिदासन था। जहाज पर 950 टन चावल और 100 टन चीनी लदी थी। आग लगने के बाद, अग्निशमन विभाग ने आग पर काबू पाने के लिए तीन दमकल गाड़ियों और एक हाइड्रेंट सिस्टम को मौके पर पहुंचाया। जहाज में लदे सामान, जिसमें डीजल भी शामिल था, के कारण आग और भड़क गई। इसकारण अधिकारियों को बंदरगाह को और जोखिम से बचाने के लिए जहाज को जेटी से करीब 1 किलोमीटर दूर और अंततः समुद्र में 100 किलोमीटर अंदर खींचना पड़ा। तटरक्षक बल ने आग बुझाने के प्रयासों में मदद की। अधिकारियों ने जहाज़ को खुले पानी में तब तक रखा जब तक कि आग को सुरक्षित रूप से नियंत्रित न हो सके। इस बीच, पोरबंदर की दमकल टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है और स्टैंडबाय पर है।

रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष लेकर जाएंगे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश पर यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रूस की ऐतिहासिक यात्रा पर रवाना होंगे। वे वहां भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को लेकर आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय 24 सितंबर से एक अक्टूबर तक रूस के कालमिकिया प्रांत में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन करेगा। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और बौद्ध धरोहर की समृद्ध परंपरा को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करना है।

तय कार्यक्रम के अनुसार, उप मुख्यमंत्री मौर्य कल 23 सितंबर को वायुसेना के विशेष विमान से रूस के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां 25 से 28 सितंबर तक एलिस्ता में भगवान बुद्ध से जुड़ी दुर्लभ कलाकृतियों और ऐतिहासिक धरोहरों की प्रदर्शनी आयोजित होगी। इसमें भारत से ले जाए गए अवशेष और कलाकृतियां भी शामिल होंगी। केशव प्रसाद भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा (कपिलवस्तु) मे रखे गए अवशेषों को लेकर जाएंगे। प्रदेश सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस दौरे से भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक संबंध और गहरे होंगे। साथ ही, यह आयोजन बौद्ध धर्म की वैश्विक विरासत और भारतीय संस्कृति की गरिमा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने वाला साबित होगा।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को कहा भगवान बुद्ध संपूर्ण मानवता के लिए भारत की सबसे अनमोल धरोहर है। करुणा, दया और शांति पर आधारित उनका दर्शन आज भी समाज को सह अस्तित्व और मानवीय संवेदनों का सशक्त संदेश देता है। (कालमिकिया) रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा (कपिलवस्तु) अवशेषो की प्रदर्शनी आयोजित कराने व भारतीय प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व करने का अवसर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को देने के लिए बौद्ध भिक्षुओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

टैरिफ और एच-1बी वीजा को लेकर जयशंकर-गोयल की अमेरिका यात्रा बेहद अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते पिछले कुछ महीनों से तनाव में हैं। खासतौर पर टैरिफ और एच-1बी वीजा के जरिये भारत को जिस तरह का तनाव झेलना पड़ रहा है, उसके बाद दोनों देशों के रिश्तों पर असर पड़ रहा है। इसी बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अमेरिका पहुंचे हैं, जिससे उम्मीद है कि नए व्यापार समझौते पर बातचीत हो रही है। 16 सितंबर को अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की टीम भारत आई थी, जहां समझौते के कई पहलुओं पर चर्चा हुई।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के जाने के बाद तुरंत वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भारत के प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका दौरे पर हैं। यहां वे सोमवार को अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक से मुलाकात करेंगे और व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने पर चर्चा करेंगे। वहीं जयशंकर भी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से रात 8 बजे मुलाकात करेंगे। अमेरिका और भारत के बीच इस वक्त जो मुद्दा चर्चा में हैं उनमें टैरिफ मुद्दा है। भारत पर अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगा रखा है। इसकी वजह से दोनों देशों के बीच व्यापार प्रभावित हो रहा है।

भारत के कुछ सेक्टर्स पर तो इस टैरिफ का काफी बुरा असर पड़ा है। ऐसे में कोशिश होगी कि इस मामले में दोनों देश मिलकर कुछ बीच का रास्ता निकाल पाएं। इसे लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे। दूसरा मुद्दा ये है कि भारत-अमेरिका की ट्रेड डील पर बात आगे बढ़े, जो टैरिफ वॉर की वजह से अटकी नजर आ रही थी। तीसरा बड़ा मुद्दा अब एच-1बी वीजा है, जो अमेरिका में काम करने वाले भारतीयों पर सीधा असर डाल रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और भारत के विदेश मंत्रियों मार्को रुबियो और एस जयशंकर के बीच यह तीसरी मुलाकात होगी। जनवरी में पहली बार रूबियो और जयशंकर क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में मिले थे। इसके बाद जुलाई में क्वाड बैठक में दोनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात हुई थी। हालांकि इस बार जब दोनों नेता मिलेंगे, तो परिस्थितियां काफी उतार-चढ़ाव भरी हैं। ऐसे में ये बैठक दोनों देशों के रिश्तों को लेकर बेहद अहम मानी जा रही है।

असंभव को संभव बना सकते हैं पीएम मोदी: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली(एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की सराहना करते हुए कहा कि मोदी नामुमकिन को मुमकिन बनाने की क्षमता रखते हैं। वे राजधानी में प्रधानमंत्री के भाषणों पर आधारित दो पुस्तकों के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बावजूद, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा मोदी को अच्छा दोस्त कहा। उन्होंने कहा, ट्रंप कभी नहीं बोले कि मैं मोदी के खिलाफ हूं। उन्होंने हमेशा कहा कि मैं मोदी के साथ हूं।

राधाकृष्णन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के रूस और चीन दोनों देशों के शीर्ष नेताओं से भी अच्छे संबंध हैं। उनके अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मोदी के करीबी मित्र हैं, वहीं अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मतभेदों के बावजूद चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी मोदी को मित्र मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, कि यही वजह है कि प्रधानमंत्री नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाते हैं। मोदी के दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि प्रधानमंत्री जनता के लिए निस्वार्थ भाव से काम करते हैं और बदले में किसी तरह की अपेक्षा नहीं रखते। उन्होंने इसे मोदी के नेतृत्व का सबसे बड़ा गुण बताया।

इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने भी प्रधानमंत्री की शैली की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मोदी जनता की भाषा में बात करते हैं और उनकी आवाज आम लोगों की भावनाओं को प्रतिबिंबित करती है। इस कार्यक्रम ने न सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक छवि को रेखांकित किया, बल्कि उनके

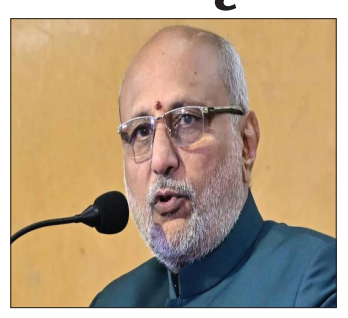

नेतृत्व में भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय साख को भी सामने रखा।

इंपीरियल ग्रुप की 80 करोड़ से ज्यादा की अघोषित विदेशी संपत्ति का खुलासा!

-ईडी ने हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में छह ठिकानों की ली थी तलाशी

शिमला (एजेंसी)। ईडी ने पिछले दिनों को हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में छह ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई इंपीरियल ग्रुप के चेयरमैन मानविंदर सिंह, उनकी पत्नी सागरी सिंह और ग्रुप की संबंधित कंपनियों और व्यक्तियों पर की गई थी। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत शुरू हुई इस जांच में अघोषित विदेशी संपत्तियों, निवेशों और वित्तीय हितों का जाल सामने आया है। ईडी ने खुफिया जानकारी के आधार पर मामला दर्ज किया था, जिसमें ग्रुप के विदेशी कारोबार की अनियमितताओं का शक था।

इंपीरियल ग्रुप एयरोस्पेस और रियल एस्टेट क्षेत्रों में सक्रिय कंपनियों का समूह है, जिसके चेयरमैन मानविंदर सिंह हैं। हिमाचल के नालदेहरा में स्थित लग्जरी आवासीय परियोजना औमां वैली भी इसी ग्रुप का हिस्सा है। तलाशी में ईडी ने मानविंदर और सागरी सिंह के नाम पर विदेशी कंपनियों में अघोषित हितों के कई सबूत जब्त किए। इनमें सिंगापुर की एयरोस्टार वेंचर प्राइवेट लिमिटेड और दुबई की यूनाइटेड एयरोस्पेस डीडब्ल्यूसी एलएलसी प्रमुख हैं, जहां दोनों ही लाभकारी मालिक हैं। मानविंदर एकमात्र निदेशक हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुबई की कंपनी के जरिए करोड़ों के असुरक्षित ऋण दिए गए, जो भारतीय संस्थाओं को लौटाए जा रहे हैं। मई 2025 में इस कंपनी ने हांगकांग की एक बिना नाम की संस्था से 7 करोड़ रुपए का ऋण लेकर रॉबिन्सन 66 हेलीकॉप्टर खरीदा था, जिसे औमां वैली के निवासियों के लिए भारत आयात किया गया था। लीज भुगतान दुबई कंपनी को ही लौटाया जा रहा है, जिससे अघोषित संपत्ति बढ़ रही है। 31 मार्च 2025 तक इस कंपनी के पास 38 करोड़ रुपए की संपत्ति थी।

इसके अलावा, थाईलैंड के कोह समुई में विला समायरा नामक विला की खरीद का खुलासा हुआ, जहां सिंह दंपति और परिवार लाभार्थी हैं। ब्रिटिश वर्जिन द्वीप समूह की कंपनियों और सिंगापुर के बैंक खातों में भी अघोषित हित पाए गए। ईडी के मुताबिक इन विदेशी संपत्तियों, हितों व खातों का कुल मूल्य 80 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

औमां वैली परिसर में तलाशी में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। समानांतर बहीखातों से पता चला है कि फ्लैटों की बिक्री का 29 करोड़ रुपए नकद वसूला गया। ईडी को शक है कि यह नकदी हवाला या अन्य तरीकों से विदेश भेजी जा रही है, जिसके बाद अघोषित संपत्तियां खरीदी जा रही हैं या राउंड ट्रिपिंग की जा रही है। यह प्रक्रिया इंपीरियल ग्रुप की रियल एस्टेट गतिविधियों से उत्पन्न धन को सफेद करने का जरिया लग रहा है।

डीएमके हमेशा से मुस्लिम हितों की रक्षा करती रही है और करती रहेगी

-सीएम स्टालिन ने वक्फ कानून संशोधन के मुद्दे पर की केंद्र सरकार की आलोचना

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) और बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) हमेशा से मुस्लिम हितों की रक्षा करती रही है और करती रहेगी। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सीएम स्टालिन ने राज्य के मुसलमानों को आश्वासन दिया कि उनके नेतृत्व वाली डीएमके हमेशा एक ऐसी पार्टी रहेगी, जो उनके अधिकारों की रक्षा करेगी और उनके अधिकार तय करेगी।

स्टालिन ने वक्फ कानून में संशोधन के मुद्दे पर केंद्र की सत्तारूढ़ बीजेपी की घोर आलोचना की। उन्होंने कहा कि डीएमके और अन्य की कानूनी लड़ाई की बदौलत ही विवादास्पद वक्फ संशोधन अधिनियम के प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट से स्थगन मिल सका है। सीएम ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और तीन तलाक जैसे मुद्दों को लेकर एआईएडीएमके पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में अन्नाद्रमुक के विश्वासघात के कारण ही मुख्य विपक्षी दल एआईएडीएमके के अनवर राजा जैसे नेता उस पार्टी को छोड़कर डीएमके में शामिल हो गए। पैगंबर मोहम्मद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि द्रमुक संस्थापक सीएन अन्नादुरई और दिवंगत पार्टी संरक्षक एम करुणानिधि पहली बार तिरुवरूर में मिलाद-उन-नबी से जुड़े एक कार्यक्रम में मिले थे और दोनों नेताओं के बीच जो घनिष्ठता बढ़ी, वह तमिलनाडु के विकास की नींव बनी।

कई दलों के मुस्लिम नेताओं की मौजूदगी का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि एकता जीत की ओर पहला कदम है। पैगंबर मोहम्मद के उपदेशों की तारीफ करते हुए सीएम ने कहा कि सुधारवादी नेता पेरियार ईवीआर और प्रतिष्ठित नेता अन्नादुरई और करुणानिधि ने पैगंबर के सिखाए समानता और प्रेम के संदेश की सराहना की थी। गाजा की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए स्टालिन ने कहा कि फलस्तीनियों पर हो रहे अत्याचारों को तत्काल रोका जाना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से इस संबंध में ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

स्टालिन ने कहा कि करुणानिधि ने ही 1969 में मिलाद-उन-नबी के लिए अवकाश घोषित किया था और 2001 में अन्नाद्रमुक सरकार ने इसे रद्द कर दिया था, जबकि द्रमुक सरकार ने 2006 में इसे बहाल कर दिया था। स्कूली पाठ्यक्रम में पैगंबर साहब पर विषयवस्तु शामिल करने के एसडीपीआई नेता नेल्लई मुबारक के अनुरोध का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि इसे पहले ही पाठ्यक्रम में शामिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि केवल इतना ही नहीं, अगर मुसलमानों को कोई परेशानी होती है, तो सबसे पहले आपके समर्थन में आने वाला राजनीतिक दल द्रमुक ही है।

कर्नाटक में जाति जनगणना शुरु, 15 दिनों तक चलेगा सर्वे, कई कर रहे विरोध

-कई समुदायों ने बैठक कर की अपील, सिर्फ अपनी जाति बताएं उपजाति नहीं

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सोमवार से जाति जनगणना शुरु हो रही है। 15 दिनों तक यह सर्वे चलेगा और रिपोर्ट भी जल्द जारी करने की तैयारी है। सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार के इस फैसले का उनकी कैबिनेट के ही कुछ सदस्यों समेत लोग विरोध कर रहे हैं, लेकिन सिद्धारमैया का कहना है कि वह राहुल गांधी की लाइन पर चल रहे हैं, जिनका कहना है कि जातिगत जनगणना से सही आंकड़े आएंगे और फिर उसके आधार पर योजनाएं बनाने और सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने में मदद मिलेगी।

राज्य के प्रभावशाली लिंगायत, वोक्कालिगा, कुर्बा, मुस्लिम, जैन और ब्राह्मण समुदाय के लोगों की बैठक हुई है। इन बैठकों में शीर्ष नेताओं ने समाज से अपील की है कि वे 15 दिनों तक चलने वाली जातिगत जनगणना में अपनी उपजाति ना बताएं। सिर्फ जाति का ही जिक्र करें ताकि उपजाति बताने से संख्या कम ना नजर आए। एक बार पहले भी सूबे में सर्वे हो चुका है, जिसे लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय की ओर से खारिज कर दिया गया था।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने इस सर्वे को स्थगित करने की मांग की है या फिर इसे तीन महीने में कराने की मांग की है ताकि कोई खामी न रहे। वोक्कालिगा समाज के एक मठ के स्वामी ने कहा कि हमें शक है कि यह सर्वे सही से नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य की आबादी 7 करोड़ हैं और महज 15 दिन में ही सर्वे करने की बात कही जा रही है। इससे पहले तेलंगाना में 65 दिन तक सर्वे चला था, जबकि वहां की आबादी हमारे यहां के मुकाबले आधी है। शुक्रवार को वीरशैव-लिंगायत समाज की हुबली में बैठक हुई थी। इस बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि खुद को लिंगायत ही लिखें। उसमें कोई उपजाति ना बताएं। इसके अलावा मुस्लिम, जैन, ब्राह्मण समाज के लोगों की भी बैठक हुई। इन बैठकों में प्रस्ताव दिया गया कि अपनी जाति ही लिखें, उपजाति का जिक्र ना करें। जैसे कहा गया कि ब्राह्मण समुदाय के लोग अपनी जाति में ब्राह्मण ही लिखें। कोई उपनाम आदि ना लिखें। इसी तरह जैन समुदाय के लोगों का भी कहना है कि जैन ही लिखा जाए। इसके अलावा मुसलमानों से भी कहा गया कि अपना धर्म इस्लाम ही लिखवाएं और जाति के स्थान पर मुस्लिम लिखा जाए। वोक्कालिगा समाज में भी काफी सक्रियता दिख रही है।

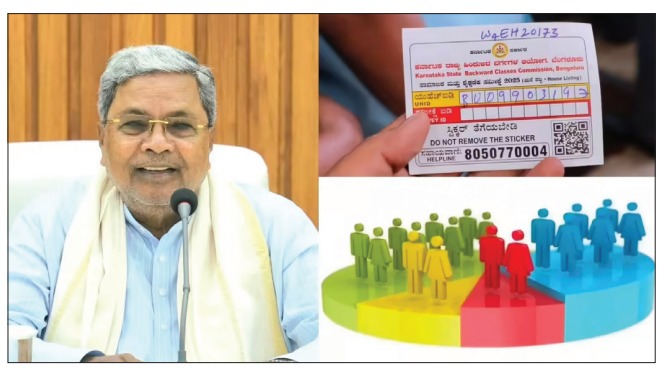

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

लिंडसे ग्राहम की अपील- रूस से तेल खरीदने पर चीन पर प्रतिबंध लगाए अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से रूस से सस्ता तेल खरीदने के लिए चीन पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। उनकी यह टिप्पणी यूरोपीय संघ (ईयू) की ओर से रूस के साथ व्यापार करने वाली चीनी ऊर्जा कंपनियों पर प्रतिबंधों की घोषणा के बाद आई है। ग्राहम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप का सस्ता तेल खरीदने पर भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ मुनाफा दे रहा है। अब अमेरिका को चीन और रूस पर भी टैरिफ और प्रतिबंध लगाने का समय आ गया है। इसी बीच, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने घोषणा की है कि ईयू 2027 तक रूसी एलएनजी (गैस) का आयात पूरी तरह से बंद कर देगा।

कनाडाई सरकार ने आयरलैंड के रैप समूह नीकैप पर लगाया प्रतिबंध

टोरंटो, एजेंसी। कनाडाई सरकार ने शुक्रवार को आयरिश-भाषा के रैप समूह नीकैप पर देश में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार का कहना है कि नीकैप ने राजनीतिक हिंसा और आतंकवाद का समर्थन किया है। सांसद विन्स गैस्परो ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा कि नीकैप ने आतंकी संगठनों हिजबुल्लाह और हमास के लिए समर्थन दिखाया है। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है। इसके जवाब में समूह ने इंस्टाग्राम पर आरोपों को पूरी तरह से गलत और दुर्भावनापूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि वे इस्राइल के जरिये किए जा रहे नरसंहार के विरोध में हैं, इसलिए उन्हें चुप कराने की कोशिश की जा रही है। नीकैप ने गैस्पारो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि कोचेला फेस्टिवल में भी नीकैप ने इस्राइल पर नरसंहार का आरोप लगाया था।

हसीना की भतीजी के खिलाफ जाली दस्तावेज बना रहे अफसर

ढाका, एजेंसी। ब्रिटेन की सत्तारूढ़ लेबर पार्टी की सांसद और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी ट्यूलिप सिद्दीकी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बांग्लादेशी अफसर उनके विरुद्ध सियासी दुष्प्रचार के लिए जाली पहचान पत्र और दस्तावेज तैयार कर रहे हैं। ट्यूलिप ने कहा, ये अभियान पिछले एक साल से चलाया जा रहा है और फर्जी दस्तावेजों के जरिये उन्हें भ्रष्ट साबित करने की कोशिश की जा रही है। यह आरोप ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की ऑनलाइन रिपोर्ट में सामने आया। रिपोर्ट में दावा किया गया कि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार ट्यूलिप के पास बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) उपलब्ध है जो उनके पहले दिए गए बयानों से मेल नहीं खाता।

हिजबुल्ला ने सऊदी अरब से इस्राइल के खिलाफ एक होने को कहा

रियाद, एजेंसी। आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के महासचिव नईम कासिम ने सऊदी अरब से लेबनानी सशस्त्र समूह के साथ रिश्तों को फिर से बहाल करने और इस्राइल के खिलाफ एकजुट मोर्चा बनाने की अपील की है। यह अपील शुक्रवार को लेबनान के दक्षिण में इस्राइल के हमलों के तेज होने के बाद आई है। कासिम ने रियाद से हिजबुल्लाह के साथ एक नया अध्याय शुरू करने का आह्वान किया। कासिम ने चेतावनी दी कि हिजबुल्लाह पर दबाव बनाने से केवल इस्राइल को ही फायदा होगा। गौरतलब है कि सऊदी अरब और हिजबुल्लाह के बीच वर्षों से तनाव रहा है। 2016 में सऊदी अरब के नेतृत्व में गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) ने हिजबुल्लाह को आतंकी समूह घोषित किया था।

अफगानिस्तान में महीनों कैद रहने के बाद ब्रिटिश दंपती स्वदेश लौटे

लंदन, एजेंसी। अफगानिस्तान में सात महीने से अधिक समय तक कैद में रहने के बाद एक ब्रिटिश दंपती शनिवार को स्वदेश लौट आया। तालिबान ने शुक्रवार को 80 वर्षीय पीटर रेनॉल्ड्स और उनकी 76 वर्षीय पत्नी बार्बी रेनॉल्ड्स को रिहा किया था। हीथ्रो हवाई अड्डे पर पहुंचे दंपती को मुस्कुराते और स्वस्थ दिखाई देते हुए देखा गया। दोनों अफगानिस्तान के बामियान प्रांत में 18 वर्षों से रह रहे थे और वहां शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था चला रहे थे। 2021 में तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद भी उन्होंने वहीं रहने का फैसला किया था। फरवरी में बामियान लौटते समय उनकी गिरफ्तारी हुई और उन्हें लगभग आठ महीने तक अधिकतम सुरक्षा वाली जेल में रखा गया, जहां लंबे समय तक दोनों को अलग-अलग रखा गया। विश्लेषकों का मानना है कि कतर की मध्यस्थता से हुई यह रिहाई तालिबान की उस कोशिश का हिस्सा हो सकती है।

बगराम एयरबेस नहीं सौंपा तो अंजाम बुरा होगा, अफगानिस्तान को ट्रंप की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को बगराम सैन्य अड्डे को अमेरिका को सौंपने से इनकार करने पर तालिबान को धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अफ़ग़ानिस्तान को खराब बातें करने की धमकी दी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा, ÷अगर अफ़ग़ानिस्तान बगराम एयरबेस को इसे बनाने वालों, यानी अमेरिका को वापस नहीं करता, तो बहुत बुरा होने वाला है!!÷ दो दिन पहले भी डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि बगराम एयरबेस को छोड़ देना जो बाइडेन प्रशासन की बड़ी गलती थी और इसे सुधारा जाएगा। उन्होंने कहा था कि बगराम एयरबेस चीन के करीब है और अमेरिका के लिए बेहद जरूरी है इसलिए अमेरिकी फौज की अफगानिस्तान में वापसी होगी।

ट्रंप के इस बयान के बाद अफगानिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने युद्ध के बाद देश में बगराम एयरबेस पर पुनः कब्जा करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया बयान की आलोचना की और कहा कि हम अफगान अपने देश में विदेशी सैन्य उपस्थिति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। शुक्रवार को अफगानिस्तान के सरकारी रेडियो और टेलीविजन (आरटीए) ने इसकी जानकारी दी थी।

तालिबानी विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ राजनयिक जलाली के हवाले से कहा कि अपने पूरे इतिहास में अफगानों ने

कभी भी अपनी धरती पर विदेशी सैन्य की उपस्थिति को स्वीकार नहीं किया है। अफगानिस्तान और अमेरिका को द्विपक्षीय सम्मान एवं साझा हितों के मद्देनजर आर्थिक और राजनीतिक संबंधों पर सहयोग करने की जरूरत है।

बता दें कि काबुल से 50 किलोमीटर उत्तर बगराम एयरबेस पर अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन बल 20 साल से यहां काबिज थे। इस एयरबेस ने अमेरिकी सैनिकों के लिए मुख्य सैन्य अड्डे के रूप में अगस्त 2021 तक कार्य किया। अगस्त 2021 में अमेरिकी सेना के हटने के बाद अफगानिस्तान की मौजूदा सरकार के पास अब इसका नियंत्रण है।

अमेरिका के सैन्य अधिकारियों का कहना है कि अगर बगराम एयरबेस पर दोबारा कब्जा किया जाता है तो इसके लिए करीब 10 हजार सैनिकों की जरूरत होगी। ट्रंप ने कहा था कि उनकी बगराम एयरबेस को लेकर अफगानिस्तान से बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा था कि अगर अफगानिस्तान नहीं मानता है तो वह अपने ढंग से रास्ता निकालेंगे।

बगराम एयरबेस की अहमियत : अफगानिस्तान में मौजूद बगराम एयरबेस दुनिया के सबसे बड़े सैन्य ठिकानों में से एक है। 2021 में अमेरिकी सेना की वापसी के बाद यह एयरबेस तालिबान के नियंत्रण में चला गया था। यह बेस चीन और अफगानिस्तान की सीमा के पास होने के कारण रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। लंदन दौरे पर ट्रंप ने कुछ दिन पहले कहा था कि उनकी योजना थी कि अमेरिका अफगानिस्तान से सम्मानजनक तरीके से सेना हटाएगा, लेकिन बगराम एयरबेस अपने पास रखेगा। उन्होंने कहा, हमने इसे तालिबान को मुफ्त में दे दिया। अब हम इसे वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिकी कांग्रेस का समर्थन और चीन का रुख : अफगान मीडिया के मुताबिक, कई अमेरिकी सांसद भी ट्रंप की इस मांग का समर्थन कर रहे हैं। उनका मानना है कि बगराम पर दोबारा अमेरिकी नियंत्रण होना अमेरिका की सुरक्षा और रणनीतिक हितों के लिए जरूरी है। वहीं चीन ने ट्रंप की धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अफगानिस्तान की संप्रभुता और स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, अफगानिस्तान का भविष्य उसके लोगों के हाथ में होना चाहिए। किसी भी देश को क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का काम नहीं करना चाहिए।

अफगानिस्तान का जवाब और रूस की चेतावनी : हालांकि तालिबान सरकार ने ट्रंप के बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन कुछ समय पहले अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने स्पष्ट कहा था, अफगानिस्तान की जमीन का एक इंच भी किसी विदेशी सेना की मौजूदगी के लिए स्वीकार्य नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप और अन्य देशों तक यह संदेश पहुंचना चाहिए। वहीं रूस पहले ही चेतावनी दे चुका है कि अमेरिका अफगानिस्तान में फिर से सैन्य उपस्थिति स्थापित करने की कोशिश कर रहा है, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ सकती है।

वॉशिंगटन अब सुरक्षित और खूबसूरत- ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वॉशिंगटन डीसी में अपराध पर नियंत्रण के बाद हालात पूरी तरह बदल गए हैं। उन्होंने दावा किया कि शहर अब खूबसूरत और सुरक्षित हो गया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, वॉशिंगटन अब पिछले साल जैसा नहीं रहा। न सड़क पर टेंट हैं, न गैंग, न खतरनाक अपराधी। सड़कें साफ-सुथरी और पार्क हरे-भरे हैं। शहर अब खूबसूरत और सुरक्षित है। यह अच्छे शासन का असर है।

नीदरलैंड में शरणार्थियों के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस और वाटर कैनन छोड़ा, 30 गिरफ्तार

द हेग , एजेंसी। शनिवार को नीदरलैंड के द हेग में हजारों लोगों ने शनिवार को इमिग्रेशन पॉलिसी और बढ़ती शरणार्थियों की संख्या के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। स्थानीय सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया और दो पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस ने और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई है। यह प्रदर्शन 29 अक्टूबर को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से ठीक एक महीने पहले हुआ।

इस साल नीदरलैंड में कुल 44,055 शरणार्थी और उनके परिवार के सदस्य आए। 2024 में, सीरिया से 44% शरणार्थी आए, जबकि इराक, तुर्की, इरिट्रिया, और यमन से लगभग 5% शरणार्थी आए। प्रदर्शनकारियों ने, जिनमें से कई डच झंडे और दक्षिणपंथी समूहों के झंडे लहरा रहे थे, पुलिस के साथ हिंसक झड़प की। उन्होंने पत्थर और बोतलें फेंकी। एक पुलिस गाड़ी को आग के हवाले कर दिया गया और कुछ प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन स्थल के पास एक हाईवे को कुछ देर के लिए बंद कर दिया।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने सेंटर-लेफ्ट डट पार्टी के मुख्यालय की कई खिड़कियां भी तोड़ दीं। डट के नेता रॉब जेटेन ने एक्स पर लिखा, ÷गुंडे। तुम राजनीतिक दलों पर हाथ नहीं डाल सकते। अगर तुम्हें लगता है कि तुम हमें डरा सकते हो, तो तुम गलत हो। हम कभी भी चरमपंथी दंगाइयों को हमारा देश छीनने नहीं देंगे।÷

अमेरिका के न्यू हैम्पशायर में गोलीबारी, 1 की मौत, हमलावर ने फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाए

न्यू हैम्पशायर, एजेंसी। अमेरिका के न्यू हैम्पशायर में नैशुआ के स्काई मीडो कंट्री क्लब में शनिवार को एक हमलावर ने गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। संदिग्ध को में लिया गया। पुलिस ने कहा कि अब कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर का मकसद अभी साफ नहीं है। घायलों की स्थिति के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिली। प्रत्यक्षदर्शी टॉम बार्टेलसन ने बताया कि उनके भतीजे की शादी के दौरान अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि हमलावर ने फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाए, ऐसा लग रहा था कि वह किसी खास व्यक्ति को निशाना बना रहा था।

एक अन्य व्यक्ति, एमिली अर्न्स्ट ने बताया कि उन्होंने एक काले कपड़े पहने और मास्क लगाए बंदूकधारी को देखा, जिसके बाद वे अपनी जान बचाने के लिए भागे। नैशुआ के मेयर जिम डोनचेस ने कहा कि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और दोषी को सजा दिलाएगी। उन्होंने कहा कि यह घटना हर समुदाय के लिए एक चेतावनी है कि ऐसी घटनाएं कहीं भी हो सकती हैं। नैशुआ, बोस्टन से लगभग 70 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में, मैसाचुसेट्स सीमा के पास स्थित है।

ट्रंप के फैसले पर यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने जताई चिंता, कहा- सभी पहलुओं को समझने की कर रहे कोशिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एच-1बी वीजा को लेकर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए नियमों पर चिंता जताई है। व्यापार संगठन ने कहा कि कर्मचारियों, उनके परिवारों और कंपनियों पर इस कदम का असर पड़ेगा। उसने बताया कि वह ट्रंप प्रशासन और अपने सदस्यों के साथ मिलकर इस फैसले के सभी पहलुओं को समझने की कोशिश कर रहा है और आगे का रास्ता तय करने पर विचार कर रहा है।

दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत एच-1बी वीजा आवेदन करने के लिए कंपनियों को एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क (फीस) देना होगा। यह नियम एच-1बी के लिए नए आवेदन पर लागू होगा। यानी पहले से दायर आवेदन नहीं

लागू होगा। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने स्पष्ट किया कि यह नया शुल्क केवल उन आवेदनों पर लागू होगा, जो 21 सितंबर के बाद किए जाएंगे। जिन लोगों के आवेदन पहले ही आ चुके हैं या जिनके वीजा पहले से मंजूर हैं, उन पर कोई असर नहीं होगा। यूएससीआईएस के निदेशक जोसेफ बी. एडलो ने एक ज्ञापन में यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने की एच-1बी वीजा आवेदन पर नया शुल्क लगाने की पुष्टि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने इसकी पुष्टि की और बताया कि यह शुल्क एक बार के लिए है, कोई वार्षिक शुल्क नहीं है। उन्होंने कहा कि यह नियम केवल नए वीजा आवेदनों पर लागू होगा, न की नवीकरण या पहले से जारी वीजा पर। उन्होंने यह भी बताया कि जो एच-1बी वीजा धारक अभी अमेरिका से बाहर हैं, उनसे यह शुल्क नहीं लिया जाएगा। ऐसे लोग पहले की तरह अमेरिका में आ-जा सकते हैं, उनके आने-जाने पर कोई नई रोक नहीं लगाई गई है। यह नियम अगले वीजा लॉटरी चक्र से लागू किया जाएगा। भारतीय आईटी पेशेवर होंगे सबसे अधिक प्रभावित इन नए नियम ने भारत के लिए चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि 71-72 फीसदी एच-1बी वीजा भारतीयों को ही दिए जाते हैं। इस वजह से भारतीय तकनीकी पेशेवरों और अमेरिका से भारत आने वाले पैसे (रेमिटेंस) पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। भारत सरकार ने सभी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को दिया निर्देश भारत सरकार ने अपने सभी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को निर्देश दिया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में ट्रंप-जेलेंस्की की होगी मुलाकात, रूस और कड़े प्रतिबंधों की करेंगे मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक के दौरान अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इसका मकसद रूस के खिलाफ और अधिक सख्त प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिका पर दबाव बनाना है। अल जजीरा की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। जेलेंस्की ने यह घोषणा शनिवार को ऐसे समय में की, जब रूस ने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। यूरोप के पूर्वी हिस्से में भी इस युद्ध के फैलने की आशंका को लेकर बढ़ गई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, अब हम अमेरिका से (रूस के खिलाफ) और अभी सख्त प्रतिबंधों की उम्मीद कर रहे हैं। यूरोप अपनी भूमिका निभा रहा है।

दबाव के आगे नहीं झुक रहा रूस : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पहले संकेत दे चुके हैं कि वह रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने को तैयार हैं। लेकिन उन्होंने शर्त रखी है कि उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सहयोगी देश मिलकर रूस से तेल खरीब बंद करने पर सहमत हों। ट्रंप युद्धविराम की कोशिशें कर रहे हैं, लेकिन रूस अब तक ऐसे दबावों के आगे नहीं झुका है।

दीर्घकालिक सुरक्षा गारंटी मांग सकते हैं जेलेंस्की : जेलेंस्की इस बैठक में यह मुद्दा भी उठाएंगे कि युद्धविराम के बाद यूक्रेन को भविष्य में रूसी हमलों कैसे सुरक्षित रखा जाए। वह अमेरिका से दीर्घकालिक सुरक्षा गारंटी की मांग कर सकते हैं। उधर, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि वह यूक्रेन में किसी भी पश्चिमी सेना की तैनाती को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

रूस ने हाल में किया बड़ा हमला : अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने हाल ही में रात के समय सबसे बड़ा हमला किया, जिसमें चालीस मिसाइलें और करीब 580 ड्रोन छोड़े गए। इस हमले में तीन लोगों की मौत हुई और दर्जनों लोग घायल हुए। नाटो सहयोगियों ने रूस की आक्रामकता को देखते हुए यूरोप की पूर्वी सीमाओं पर अपनी सुरक्षा को मजबूत किया है। पोलैंड की सेना ने शनिवार को बताया कि रूसी हमलों के बाद पोलिश और सहयोगी देशों के लड़ाकू विमान रोकथाम अभियान के तहत उड़ान भर चुके हैं।

ब्रिटेन के लड़ाकू विमानों ने की पोलैंड में गश्त : इसी बीच, ब्रिटेन ने भी पुष्टि की है कि उसके लड़ाकू विमानों ने नाटों मिशन ईस्टर्न सेंट्री के तहत पहली बार पोलैंड के वायु क्षेत्र में गश्त की है, ताकि रूसी हवाई हमलों के खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तनाव उस समय और बढ़ गया, जब शुक्रवार को तीन रूसी लड़ाकू विमान कथित तौर पर एस्टोनिया की हवाई सीमा में घुस गए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस घटना से इनकार किया है। हालांकि एस्टोनिया के अधिकारियों ने कहा कि यह घुसपैठ 12 मिनट तक रही और रडार व विजुअल निगरानी दोनों से प्रमाणित हुई है।

एक दशक बाद नाजुक मोड़ पर देश का संविधान, आंदोलनकारियों की मांगें पूरी करना अंतरिम सरकार के लिए चुनौती

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में पिछले सप्ताह केवल सरकार ही नहीं, देश का संविधान भी बदला। तत्कालीन केपी शर्मा ओली सरकार के विरुद्ध जेन-जी के आंदोलन के दबाव में अंतरिम सरकार के गठन के लिए सांविधानिक प्रावधानों से अलग मार्ग अपनाना पड़ा। अंतरिम सरकार के सामने आंदोलनकारियों ने जो मांगे रखी हैं, उन्हें पूरा करना सरकार के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं है और इसके लिए उसे संविधान में संशोधन करना पड़ेगा। ऐसे में एक दशक पहले लागू हुआ संविधान एक नाजुक मोड़ पर आ गया है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि अंतरिम सरकार के सामने संविधान में संशोधन का सवाल एकदम उठा हो। गत वर्ष जुलाई में जब नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी और नेपाली कांग्रेस की गठबंधन सरकार बनी थी तो उनके बीच प्रमुख समझौतों में संविधान संशोधन भी शामिल था। लेकिन एक साल से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बाद भी वे कुछ नहीं कर पाए। वर्तमान संविधान 16 सितंबर, 2015 को अपनाया गया था।

अराजकता से बचाने के लिए उठाया कदम : ओली शासन के विरुद्ध युवाओं के विद्रोह से पैदा हालात में राष्ट्रपति पौडेल को देश को अराजकता से बचाने को संविधानेत्तर रास्ते के तहत पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को पीएम बनाना पड़ा है। पहला कार्की सांसद नहीं हैं और दूसरा वह पूर्व न्यायाधीश हैं।

संविधान संशोधन नहीं थी मांग : सोशल मीडिया पर प्रतिबंध से शुरू हुआ जेन-जी का विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार, कुशासन और सत्ता में बैठे लोगों में जवाबदेही की कमी पर केंद्रित था। बाद में ओली सरकार को हटाना उनकी प्रमुख मांग बन गई। लेकिन संविधान में संशोधन उनकी कभी मांग नहीं रही।

राष्ट्रपति ने किया अपने अधिकारों का प्रयोग : राष्ट्रपति पौडेल ने संविधान के अनुच्छेद 61 (4) के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए कार्की को अंतरिम पीएम बनाया। इस तरह यह प्रक्रिया संविधान के दायरे में थी। इसके मुताबिक, राष्ट्रपति का मुख्य कर्तव्य संविधान का पालन-रक्षा करना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कार्की सरकार दायरे में रहकर काम की तो संविधान बचाया जा सकता है।

रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया, तीन लोगों की मौत, कई अन्य घायल

कीव, एजेंसी। रूस ने शनिवार तड़के यूक्रेन के विभिन्न क्षेत्रों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले निप्रॉपेट्रोस, मायकोलाइव, चेर्निहाइव, जापोरिजिया, पोल्टावा, कीव, ओडेसा, सुमी और खार्किव सहित नौ क्षेत्रों में हुए। उन्होंने कहा कि दुश्मन का लक्ष्य हमारा बुनियादी ढांचा, आवासीय क्षेत्र और गैर सरकारी प्रतिष्ठान थे। उन्होंने कहा कि क्लस्टर हथियारों से लैस एक मिसाइल ने दिनप्रो शहर में एक बहुमंजिला इमारत पर हमला किया।

जेलेंस्की ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि ऐसा प्रत्येक हमला सैन्य आवश्यकता नहीं है, बल्कि नागरिकों को डराने और हमारे

बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए रूस की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें अगले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन और अमेरिका की प्रथम महिलाओं (राष्ट्रपति की पत्नी) के बीच, बच्चों से जुड़े मानवीय मुद्दों पर अलग-अलग बातचीत होने की संभावना है। स्थानीय गवर्नर सेरही लिसाक ने बताया कि यूक्रेन के मध्य दिनप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में हुए हमले में कम से कम 30 लोग घायल हुए हैं। पूर्वी शहर दिनप्रो में कई ऊंची इमारतें और मकान क्षतिग्रस्त हो गए। कीव क्षेत्र में स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि बुचा, बोरिसपिल और ओबुखिव इलाकों में हमले हुए। एक मकान और कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। पश्चिमी ल्वीव क्षेत्र में गवर्नर मैक्सिम कोजित्स्की ने बताया कि दो क्रूज मिसाइलें मार गिराई गईं। यूक्रेन की वायुसेना ने एक बयान में कहा कि रूस ने 619 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। कुल मिलाकर 579 ड्रोन, आठ बैलिस्टिक मिसाइलें और 32 क्रूज मिसाइलों का पता लगाया गया। यूक्रेनी सेना ने 552 ड्रोन, दो बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 क्रूज मिसाइलें मार गिराई और उन्हें निष्क्रिय कर दिया। रूस ने एस्टोनिया के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने से इनकार किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस बात से इनकार किया है कि उसके विमानों ने एस्टोनिया के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया, जबकि एस्टोनिया सरकार ने बताया कि शुक्रवार को तीन लड़ाकू विमान बिना अनुमति के उसके क्षेत्र में घुस आए और 12 मिनट तक आसमान में मंडराते रहे। शनिवार को प्रकाशित एक ऑनलाइन बयान में मास्को ने जोर देकर कहा कि उसके लड़ाकू जेट विमान फिनलैंड की खाड़ी में एस्टोनिया के वैन्डलू द्वीप से तीन किलोमीटर से अधिक दूरी पर बाल्टिक सागर के निकट बने हुए हैं। पोलिश और लिथुआनियाई क्षेत्र के बीच स्थित रूसी क्षेत्र का हवाला देते हुए, इसमें कहा गया कि 19 सितंबर को तीन मिग-31 लड़ाकू विमानों ने करेलिया से कैलिनिनग्राद क्षेत्र के एक हवाई अड्डे तक अपनी निर्धारित उड़ान पूरी की। एस्टोनिया, पोलैंड और लिथुआनिया नाटो के सदस्य हैं। निगरानी अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दिए बिना बयान में कहा गया कि उड़ान अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र के नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए संचालित की गई थी और इसमें अन्य राज्यों की सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया गया था, जैसा कि वस्तुनिष्ठ निगरानी के माध्यम से पुष्टि की गई है। शुक्रवार को एस्टोनियाई अधिकारियों ने कहा कि (एस्टोनिया) सरकार ने विरोध जताने के लिए एक रूसी राजनयिक को तलब किया, और नाटो के अनुच्छेद 4 के तहत सहयोगियों के बीच परामर्श शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह नवरात्रि के पहले दिन गुजरात दौरे पर सुबह सूरत में इस्कॉन मंदिर का भूमि पूजन किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह नवरात्रि के पहले दिन गुजरात दौरे पर रहे। सुबह उन्होंने सूरत

में इस्कॉन मंदिर का भूमि पूजन किया। इस दौरान उन्होंने सी.आर. पाटिल को इशारा कर मंच पर बुलाया। बाद में वे सर्किट हाउस जाते समय भी साथ दिखे। इस घटना ने राजनीतिक पंडितों का ध्यान खींचा।

इसके बाद अमित शाह ने RDC सहित राजकोट जिले की 7 सहकारी संस्थाओं की वार्षिक साधारण सभा में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने राजकोट जिला बैंक के पूर्व चेयरमैन वल्लभभाई पटेल और विठ्ठलभाई रादड़िया की मूर्तियों का अनावरण किया। शाह ने कहा - ''विठ्ठल रादड़िया और वल्लभभाई ने जो मार्ग दिखाया था, उसी रास्ते जयेश रादड़िया आगे बढ़ रहे हैं।''रात वे अहमदाबाद के सरखेज वार्ड में आयोजित रास-गरबा महोत्सव में शामिल होंगे।

राजकोट में सर्किट हाउस पर भाजपा नेताओं की बैठक हुई। इसमें विधायक, पूर्व विधायक, जिला और शहर अध्यक्ष व पूर्व अध्यक्ष शामिल थे। शाह ने आधे घंटे की बैठक में नेताओं को निर्देश दिए कि जीएसटी में कटौती का लाभ आम जनता तक पहुँचाया जाए। साथ ही स्वदेशी वस्तुओं का अधिक उपयोग करने और घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने की अपील की। शाह ने बैठक में पुराने नेताओं को याद कर संकेतपूर्ण संदेश दिया और भाजपा को एकजुट होकर मजबूत बनाने पर बल दिया।

सभा में शाह ने कहा कि आज राजकोट जिले की 7 सहकारी संस्थाओं की सभा हो रही है। 2021 में अमरेली से इसकी शुरुआत हुई थी। जयेश रादड़िया ने इसे आगे बढ़ाया और सहकारी ढांचे को मजबूत करने का काम किया। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद 2021 में सहकार मंत्रालय बनाया, जिसकी माँग आज़ादी से ही हो रही थी।

उन्होंने कहा कि करोड़ों किसान, मछुआरे और पशुपालकों के हित में काम हो रहा है ताकि पैसा उनके पास ही पहुँचे। सहकारी संस्थाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुँच रहा है। शाह ने कहा कि सहकारी संस्थाओं का नफा किसानों के लिए उपयोग होता है। स्व. वल्लभभाई और विठ्ठलभाई की परंपरा को जयेशभाई रादड़िया आगे बढ़ा रहे हैं। राजकोट जिला बैंक को कई पुरस्कार मिले हैं, जो किसानों की मेहनत का नतीजा है। सहकारी विभाग ने नए-नए कदम उठाए हैं और देश का सहकारी ढाँचा मजबूत हुआ है।

उन्होंने किसानों से अपील की - खाद का उपयोग कम करें और जैविक खेती से देशवासियों का स्वास्थ्य सुधारें। विश्व के ऑर्गेनिक प्रोडक्ट के बाज़ार में भारत की बड़ी हिस्सेदारी हो सकती है।

शाह ने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन नरेंद्र मोदी ने किसानों को बड़ी दिवाली भेंट दी है - जीएसटी में कटौती करके। उन्होंने सहकारी क्षेत्र को और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

सभा में RDC चेयरमैन जयेश रादड़िया ने कहा कि स्व. वल्लभभाई पटेल और विठ्ठलभाई रादड़िया के योगदान से सहकारी ढाँचा मजबूत हुआ है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हजारों मंडलियाँ च्यसहकार से समृद्धि योजनाज्य में पूरा सहयोग देंगी।

राजकोट जिला बैंक की दुर्घटना बीमा पॉलिसी 10 लाख से बढ़ाकर 15 लाख की गई।

4100 करोड़ रुपये के ऋण पर 1.5' ब्याज माफ किया गया।

अमित शाह 21 सितंबर की शाम सूरत पहुँचे थे। एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी से स्वागत हुआ। स्वागत के लिए सी.आर. पाटिल, हर्ष संधवी, प्रफुल पानसेरिया, मुकेश पटेल, सांसद मुकेश दलाल, विधायक और पुलिस कमिश्नर अनुपम गहलोत मौजूद थे। एयरपोर्ट से वे सीधा सी.आर. पाटिल के निवास पर पहुँचे और रात्रि भोज किया। बाद में सूरत सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम किया।

जगत जननी माँ जगदंबा की आराधना

नवरात्रि के प्रथम दिन अंबिका निकेतन मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ा

मंदिर में गूँजे "जय माता दी" के नाद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जगत जननी माँ जगदंबा की आराधना के पर्व नवरात्रि के पहले दिन सूरत के अंबिका निकेतन मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। विभिन्न मंदिरों में महाआरती, पूजा, हवन सहित धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

नवरात्रि पर्व की शुरुआत होते ही भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। सूरत स्थित अंबिका निकेतन मंदिर में भक्तों की बड़ी भीड़ जुटी और मंदिर च्जय माता जीज्ज के जयघोष से गूँज उठा। यह मंदिर लगभग 450 साल पुराना माना जाता है।

अंबिका निकेतन मंदिर में नवरात्रि महापर्व पर दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं

का तांता लगा रहा। सुबह से ही भक्तों का निरंतर प्रवाह देखने को मिला। नवरात्रि के नौ दिनों तक मंदिर में माता जी का अलग-अलग प्रकार से श्रृंगार किया जाएगा। साथ ही हवन, यज्ञ और अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इस मंदिर में न केवल सूरत बल्कि गुजरात और अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। देवी भगवती को सुंदर श्रृंगार से अलंकृत किया गया है।

अंबिका निकेतन मंदिर के पुजारी महेता जयदीप ने बताया कि इस बार नवरात्रि विशेष रूप से सोमवार से प्रारंभ हुई है। माँ गजारूढ़ होकर हाथी पर सवार होकर आई हैं और माँ अंबा का आगमन हुआ है। जैसे ही सुबह से मंदिर के पट खुले, भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और वर्तमान में भी भारी भीड़ बनी हुई है। रोज़ाना यहाँ एक लाख से अधिक भक्त दर्शन के लिए पहुँचते हैं। इस बार की नवरात्रि में जब माँ गजारूढ़ होकर आई हैं, तो विश्वास है कि माँ अंबा सभी भक्तों की मनोकामनाएँ पूर्ण करेंगी और उनके हृदय में छुपी हर आशा को पूरा करेंगी।

महाराजा अग्रसेनजी जयंती पर विशेष कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल एवं अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के संयुक्त तत्वाधान में महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन स्कूल प्रांगण में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक टिबडेवाल,सचिव अजय अग्रवाल, अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री राजेश भारूका, प्रदेश अध्यक्ष रतनलाल दारुका, मंत्री बसंत खेतान सहित समाज के अन्य गणमान्य पदाधिकारियों द्वारा महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद विद्यालय की प्रिंसिपल मैडम ने विद्यार्थियों को महाराजा अग्रसेन जी की प्रेरणादायी जीवनी और उनके जीवन से मिलने वाली नैतिक शिक्षाओं से अवगत कराया। विद्यार्थियों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। आयोजन में विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यालय का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

"रास रंगीलो गरबा & डांडिया नाइट" का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती महित्सव में रविवार को डुमस स्थित अग्र-एक्जोटिका के इंपीरियल हॉल में ''रास रंगीलो गरबा & डांडिया नाइट'' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं पारंपरिक गरबा की धुन पर जमकर नृत्य किया। आयोजन में अलग-अलग आयु वर्ग के ग्रुप में विजेताओं को ट्रस्ट द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में सबसे अच्छे ड्रेसअप के लिए भी पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष नटवरलाल टाटनवाला, सचिव ब्रिजमोहन अग्रवाल, ट्रस्ट की कार्यकारिणी के सदस्य, आयोजन के संयोजक के अलावा महिला एवं युवा शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

दीवाली पर सूरत से अतिरिक्त 1600 एस.टी. बसें चलाई जाएंगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात एसटी निगम द्वारा आगामी दीवाली त्योहार पर सूरत से अतिरिक्त 1600

बसें चलाई जाएंगी। इस संबंध में राज्य गृह मंत्री ने बताया कि 16 अक्टूबर से 19 अक्टूबर के दौरान सूरत से सौराष्ट्र, उत्तर गुजरात सहित कई इलाकों के लिए अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। लोग अपने वतन जाने के लिए ग्रुप बुकिंग भी करा सकेंगे।

वाहन परिवहन मंत्री ने कहा कि दीवाली में सूरत से हजारों लोग अपने वतन जाते हैं। इसी को देखते हुए सौराष्ट्र, उत्तर गुजरात, पंचमहल सहित विभिन्न स्थानों के लिए करीब 1600 अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। इनका संचालन शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक होगा।

सूरत एसटी निगम के तहत अडाजन बस पोर्ट, उधना बस स्टेशन, कामरेज, कडोदरा बस स्टेशन सहित कई स्टेशनों पर बुकिंग की सुविधा रहेगी। वहीं एसटी की आधिकारिक वेबसाइट से ऑनलाइन टिकट बुकिंग भी की जा सकेगी।

"एकल रास गरबा" में दो सौ से अधिक महिलाओं ने लिया हिस्सा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा ''एकल रास गरबा'' का भव्य आयोजन शनिवार को न्यूसिटी लाइट स्थित देवसर माता मंदिर हॉल में किया गया।

आयोजन में महिला समिति के सदस्यों के साथ दो सौ महिलाओं एवं युवतियों द्वारा गरबा खेला गया। आयोजन में पंद्रह डॉक्टरों की टीम एवं बीस एकल ग्राम के बच्चों ने विशेष प्रस्तुति दी। सभी बच्चों को स्कूल बैग, बोतल एवं स्नैक्स बॉक्स दिए गए। गरबा में अलग-अलग श्रेणी में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन के अंत में मोबाइल की टोर्च लाइट से अंबाजी की आरती की गई। इस मौके पर महिला समिति की रितु गोयल, ज्योति पंसारी, विजया कोकरा, डिंपल फतेहपुरिया सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहीं।

सूरत पालिका में एसीबी द्वारा पकड़े गए कर्मचारियों को दोबारा उसी विभाग में न रखने की स्थायी अध्यक्ष की नोट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम में रिश्वत लेते हुए एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) द्वारा रंगेहाथ पकड़े गए कर्मचारियों को दोबारा नियुक्त किया जाता है और अक्सर मलाईदार जगहों पर ही तैनात कर दिया जाता है, इस तरह की व्यापक शिकायतें सामने आ रही हैं। इन शिकायतों के बाद स्थायी समिति अध्यक्ष ने नोट डालते हुए कहा है कि एसीबी में पकड़े गए कर्मचारियों को उसी विभाग में दोबारा न रखा जाए। उन्होंने मत व्यक्त किया कि जहां रिश्वत लेते हुए पकड़े गए हों, उसी विभाग में दोबारा रखने से पालिका की छवि को नुकसान पहुँचता है।

सूरत पालिका में रिश्वतखोरी आम बात बन चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में पार्षदों के साथ-साथ कई कर्मचारी-अधिकारी भी रिश्वत के मामलों में पकड़े जा चुके हैं। इसके बावजूद पालिका में रिश्वत लेने की प्रवृत्ति खत्म नहीं हो रही। इसका एक बड़ा कारण यह है कि एसीबी द्वारा रंगेहाथ पकड़े गए कर्मचारियों को समय सीमा पूरी होने के बाद फिर से नौकरी पर रखा जाता है और उन्हें मलाईदार पद पर ही नियुक्त किया जाता है।

इसी तरह की कई शिकायतों के बाद पालिका की स्थायी समिति के अध्यक्ष राजन पटेल ने नगर निगम प्रशासन को नोट भेजा है। इसमें सिफारिश की गई है कि ऐसे रिश्वतखोर कर्मचारियों को पुन: नियुक्त करते समय उसी विभाग या उसी जोन में न रखा जाए। उनका कहना है कि ऐसा करना प्रशासनिक दृष्टि से उचित नहीं है और पालिका की छवि को भी नुकसान पहुँचाता है। इसलिए, रिश्वत के मामलों में पकड़े गए कर्मचारियों को पुन: नौकरी पर लेते समय उनके पदानुसार किसी अन्य स्थान पर कार्य सौंपना चाहिए।

स्थायी समिति अध्यक्ष की इस बात से कई लोग सहमत हैं। कारण यह है कि ज़ोन के शहर विकास विभाग में रिश्वत लेते पकड़े गए एक कर्मचारी को फिर से कतारगाम ज़ोन में ही शहर विकास विभाग में रख दिया गया, जिसके बाद वह बेफिक्र और मनमानी करने लगा। ऐसे कई मामले देखते हुए मांग उठ रही है कि रिश्वत प्रकरण में पकड़े गए कर्मचारियों को किसी अन्य विभाग या स्थान पर ही नियुक्त किया जाए।

नाट्य मंचन में दिया सामाजिक संदेश

>> जयंती पर किया माल्यार्पण >> अग्रवाल विकास ट्रस्ट का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा जयंती महोत्सव में रविवार को फ़ैमिली नाट्य मंचन का आयोजन किया गया। जिसमे मोबाइल से दूर रहकर बच्चों के साथ समय बिताने का संदेश दिया गया। नाट्य मंचन के सभी कलाकार ट्रस्ट की युवा शाखा के सदस्य ही थे। महोत्सव में अग्र जलसा जंक्शन का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने बॉलीवुड, नृत्य, गायन एवं कॉमेडी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

महोत्सव में रविवार सुबह मिनी मास्टरमाइंड्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और तर्कशक्ति का परिचय दिया। सभी प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

>> जयंती माल्यार्पण - सोमवार को ट्रस्ट द्वारा महाराज अग्रसेन जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आरती की गई।

इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष संजय सरावगी, सचिव अनिल शोरेवाला, कोषाध्यक्ष शशिभूषण जैन, उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल, सहसचिव दिनेश बंसल, सहकोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल (विनायक) सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।